शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 77 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 13 अप्रैल 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

एनआईए ने खालिस्तान समर्थक आतंकवादी रमनदीप सिंह की अचल संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को खालिस्तान समर्थक गैंगस्टर रमनदीप सिंह उर्फ रमन की अचल संपत्ति जब्त कर ली। रमनदीप के खिलाफ एनआईए ने 20 अगस्त, 2022 को मामला दर्ज किया था। न्यायालय इसे भगोड़ा भी घोषित कर चुकी है। नई दिल्ली के पटियाला हाउस स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट के निर्देश पर पंजाब के फिरोजपुर जिले स्थित टिब्बी कलां गांव की 31 कैनाल, 9 मरला जमीन जब्त की गई है। एनआईए के मुताबिक रमनदीप सिंह उर्फ रमन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ),बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) से जुड़ा हुआ है। एनआईए द्वारा जारी 9 मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की सूची में रमनदीप सिंह रमन का भी नाम है, जिसे 27 जुलाई 2023 को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। रमनदीप सिंह पर आरोप है कि वह भारत में आतंकवादी गतिविधियां संचालित करता है। दूसरे देशों से एलईडी और आर्म्स की तस्करी कर भारत लाता है। इस आरोप के तहत एनआईए ने 20 अगस्त 2022 को मामला दर्ज किया था।

एनआईए की अदालत ने चार माओवादियों को सुनाई कैद की सजा

नई दिल्ली

केरल पुलिस कर्मियों के खिलाफ धमकी, हमले और आगजनी के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने चार माओवादियों को कैद की सजा सुनाई है। एनआईए की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान के मुताबिक वर्ष 2014 के इस मामले में अदालत ने इन सभी आरोपितों को 9 अप्रैल को सजा सुनाई थी। एनआईए की अदालत ने आरोपित रूपेश को 10 साल की कैद एवं 2.35 लाख रुपये जुर्माने, आरोपित कन्या कुमारी को 6 साल की कैद एवं 1.05 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है जबकि आरोपित अनूप को 8 साल की कैद एवं 60 हजार रुपये के जुर्माने एवं इब्राहिम को 6 साल की कैद और 40 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इस मामले में स्थानीय वेलमुंडा थाने की पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

'जम्मू-कश्मीर में होंगे चुनाव, मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा'

आप भरोसा कीजिए, मैं 60 वर्षों की समस्या का समाधान करके दिखाऊंगा : मोदी

उधमपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उधमपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे और जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा मिलेगा। अब तक जो हुआ वह केवल ट्रेलर था, मुझे तो नए जम्मू कश्मीर की नई और शानदार तस्वीर बनाने में जुट जाना है। मोदी विकसित भारत के लिए जम्मू-कश्मीर के निर्माण की गारंटी दे रहा है लेकिन कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, जम्मू-कश्मीर को फिर उन पुराने दिनों की तरफ ले जाना चाहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्ता के लिए पूर्व सरकारों ने जम्मू-कश्मीर में 370 की दीवार बनाई थी। यहां के नेताओं ने लोगों में खौफ भर दिया था लेकिन मोदी ने अनुच्छेद 370 की दीवार को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह लोग कहते थे कि 370 हटी तो आग लग जाएगी, जम्मू कश्मीर हमें छोड़कर चला जाएगा लेकिन जम्मू-कश्मीर की जनता ने इन्हें आईना दिखाते हुए इनको इनकी असलियत बता दी। यही लोग अब जम्मू-कश्मीर के बाहर देश के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आपसे कहा था कि आप मुझ पर भरोसा कीजिए, मैं 60 वर्षों की समस्या का समाधान करके दिखाऊंगा। तब मैंने यहां माताओं-बहनों के सम्मान की गारंटी दी थी, गरीब को दो वक्त के खाने की चिंता न करनी पड़े, इसकी गारंटी दी थी। आज जम्मू-कश्मीर के लाखों परिवारों के पास अगले पांच साल तक मुफ्त राशन की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं भारत के किसी भी राजनीतिक दल, विशेषकर कांग्रेस को चुनौती देता हूं कि वे घोषणा करें कि वे अनुच्छेद 370 को वापस लाएंगे, यह देश उनकी ओर देखेगा भी नहीं।

' मोदी ने कहा कि 10 साल के अंदर-अंदर जम्मू कश्मीर पूरी तरह बदल चुका है। सड़क, बिजली, पानी, यात्रा, प्रवास ये सब तो है ही लेकिन सबसे बड़ी बात है कि जम्मू कश्मीर का मन बदला है"

परिवारवादी पार्टियों ने जम्मू कश्मीर का नुकसान किया: मोदी

पीएम ने कहा कि इन परिवारवादी पार्टियों ने जम्मू कश्मीर का जितना नुकसान किया, उतना नुकसान किसी ने नहीं किया। जम्मू-कश्मीर अब पर्यटन के साथ स्टार्टअप के लिए जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास और विरासत विरोधी है। कांग्रेस और उनका गठबंधन राम मंदिर का विरोध करता रहा, तुष्टिकरण की राजनीति कर एक बड़े वर्ग को चिढ़ाता रहा। वर्षों तक लोगों ने अपनी ही आस्था के लिए क्या-क्या नहीं झेला। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता बड़े-बड़े बंगलों में रहते थे लेकिन जब रामलला का टेंट बदलने की बात आती थी, तो लोग मुंह फेर लेते थे, अदालतों की धमकियां देते थे। बारिश में रामलला का टेंट टपकता रहता था और रामलला के भक्त टेंट बदलवाने के लिए अदालतों के चक्कर काटते रहते थे। राम मंदिर चुनावी मुद्दा न था, न होगा, ये मुद्दा तो भाजपा के जन्म से पहले का है। उन्होंने कहा कि जम्मू हो या कश्मीर अब यहां रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आने लगे हैं। ये सपना यहां की अनेक पीढ़ियों ने देखा है और मैं आपको गारंटी देता हूं कि आपका सपना, मोदी का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 10 साल के अंदर-अंदर जम्मू कश्मीर पूरी तरह बदल चुका है। सड़क, बिजली, पानी, यात्रा, प्रवास ये सब तो है ही लेकिन सबसे बड़ी बात है कि जम्मू कश्मीर का मन बदला है।

फारूक को जम्मू-कश्मीर को इटली की नजर से देखना बंद करना चाहिए: चुघ

जम्मू

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ, जो जम्मू-कश्मीर के पार्टी प्रभारी भी हैं ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को गुमराह करने और मोदी सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण प्रचार फैलाने का एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर आरोप लगाया। चुघ ने कहा कि मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में विकास और प्रगति के एक नए युग की शुरूआत की है, जिसे फारूक अब्दुल्ला के लिए पचाना बहुत असहज हो रहा है क्योंकि इन सभी वर्षों में वह राजनीति के विभाजनकारी और राष्ट्र-विरोधी मुहावरे का राग अलापते रहे हैं। चुघ ने कहा कि अब समय आ गया है कि फारूक जम्मू-कश्मीर में चीजों को इटालियन चश्मे से देखना बंद कर दें। उन्होंने कहा कि पिछले सात दशकों में अब्दुल्ला, मुफ्ती और कांग्रेस परिवार के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं किया है। उनके समय में हिंसा, हत्याएं, पथराव, हड़तालें आम बात थीं। और जब भाजपा कल्याण के लिए प्रयास करती है। वे जम्मू-कश्मीर के असहाय लोगों पर अपने शासनकाल में किए गए अपराधों को स्वीकार करने के बजाय सत्ताधारी सरकार के खिलाफ जनता को उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर अवसरों और विकास की एक नई भूमि बन गया है।

भीषण गर्मी और हीटवेव को लेकर पीएम मोदी ने की समीक्षा

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हीट वेव से को लेकर स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा बैठक की। गर्मी अब धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंच रही है। वहीं, बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रधान मंत्री को आगामी गर्म मौसम के मौसम (अप्रैल से जून) के पूवार्नुमान सहित अप्रैल से जून 2024 की अवधि के लिए तापमान दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी गई।

देश के अधिकांश हिस्सों में बढ़ेगी गर्मी

देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है, विशेष रूप से मध्य भारत में इसकी उच्च संभावना है। पीएमओ ने कहा कि बैठक में आवश्यक दवाओं, तरल पदार्थ, आइस पैक, ओआरएस और पीने के पानी के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र में तैयारियों की समीक्षा की गई।

पीएम के अलावा ये लोग भी बैठक में रहे मौजूद

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर सरकार के सभी अंगों और विभिन्न मंत्रालयों को इस पर तालमेल के साथ काम करने की जरूरत है।

म्यांमार में बिगड़ती स्थिति पर हमारी नजर: जयसवाल

नई दिल्ली:

भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने म्यांमार के उस क्षेत्र में खतरनाक सुरक्षा स्थिति को देखते हुए म्यांमार के शहर सिटवे में अपने वाणिज्य दूतावास से अपने कर्मचारियों को यांगून में स्थानांतरित कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि भारत उस देश में सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में रणधीर जयसवाल ने कहा कि हम म्यांमार में, खासकर रखाइन में सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। जयसवाल ने कहा कि हमने सीजीआई (भारत के महावाणिज्य दूतावास) सिटवे में अपने कर्मचारियों को अस्थायी रूप से यांगून में स्थानांतरित कर दिया है। मांडले में हमारा वाणिज्य दूतावास पूरी तरह कार्यात्मक है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले हमने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी ताकि वो म्यांमार यात्रा के लिए उचित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर सकें।

ईरानी राजनयिक परिसरों पर हुए हमले पर चिंता

दूसरी ओर, पत्रकारों से बातचीत करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमने 1 अप्रैल 2024 को सीरिया में ईरानी राजनयिक परिसरों पर हुए हमले पर चिंता व्यक्त की है। हम सभी पक्षों से ऐसे कार्यों से बचने का आग्रह करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के आम तौर पर स्वीकृत सिद्धांतों और मानदंडों के खिलाफ जाते हैं।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह बहुत दुखद है, जिसकी जांच चल रही है।

उन्होंने कहा कि एक मामला हत्या का था जो एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ दर्ज किया गया था जो बेघर था। इसके बाद, एक मामला था जिसमें एक व्यक्ति पर गोली चलाई गई थी। इसलिए ये दो मामले हैं जिनकी जांच कानून और व्यवस्था के दृष्टिकोण से की जा रही है। हमारे वाणिज्य दूतावास और अमेरिका में हमारे मिशन ने अपने छात्र आउटरीच को मजबूत किया है ताकि वे छात्रों को बता सकें कि उन्हें कैसे देखभाल करनी चाहिए।

आआपा के राज्यसभा सांसदों ने की सुनीता केजरीवाल से मुलाकात

नई दिल्ली

पंजाब से आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसदों ने गुरुवार देर शाम को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने सुनीता केजरीवाल से कहा कि हम पूरी मजबूती से अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब मामले में जेल जाने के बाद पंजाब के सांसदों की सुनीता केजरीवाल से यह पहली मुलाकात है। आआपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक के साथ राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा, विक्रम साहनी और अशोक मित्तल ने सुनीता केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम पार्टी के साथ पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खड़े हैं। इस संकट की घड़ी में हम सभी एकजुट हैं। सांसदों ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का जनता में जबरदस्त गुस्सा है। जनता जेल का जवाब दिल्ली और पंजाब में वोट से देगी।

पंजाब से राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात के दौरान लिया गया चित्र भी अपने आधिकारिक एक्स (ट्वीटर) हैंडल पर साझा भी किया।

उन्होंने लिखा कि आज राज्यसभा सांसद संदीप पाठक, सांसद विक्रम साहनी, सांसद अशोक मित्तल की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास पर अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। उनका साहस और दृढ़ता संघर्ष के प्रतीक के रूप में दमक रहा है।

पंजाब के सीएम 15 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली

तिहाड़ जेल के डीआईजी और पुलिस के अधिकारियों के बीच शुक्रवार को सुरक्षा बैठक हुई। सुरक्षा बैठक लगभग चार घंटे चली। इसमें तय किया गया कि 15 अप्रैल को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे। जेल सूत्रों के अनुसार, सीएम केजरीवाल से केवल भगवंत मान ही मुलाकात कर सकेंगे। यह बैठक तिहाड़ जेल मुख्यालय में 11 बजे रखी गई थी। तिहाड़ जेल के जनसंपर्क अधिकारी अरविंद कुमार से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मुख्यमंत्री की मुलाकात के लिए सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा था, जिसको लेकर बैठक रखी गई थी। बैठक तिहाड़ जेल के डीआईजी (राजीव परिहार) के ऑफिस में हुई है। इसमें पंजाब पुलिस के एडिशनल जनरल डायरेक्टर एके पांडे व जेल के सुरक्षाकर्मी मौजूद थे।

इसमें मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसके बाद मुलाकात की तारीख तय की गई।

विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.56 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। लगातार सातवें हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 2.98 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को आंकड़ों में बताया कि पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 645.58 अरब डॉलर हो गया था। इससे पहले सितंबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है: विनेश

नई दिल्ली

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) प्रमुख संजय सिंह पर उन्हें आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने से रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फोगाट ने शुक्रवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह और उनके सहयोगी भारत की कुश्ती संस्था के प्रमुख संजय सिंह के खिलाफ बदलाव की मांग की और कहा कि वे मैच के दौरान उनके पानी में कुछ मिलाकर उन्हें पिला सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके निजी कोच और फिजियोथेरेपिस्ट को 19 अप्रैल से शुरू होने वाले एशियाई ओलंपिक योग्यता कार्यक्रम के लिए मान्यता देने से वंचित कर दिया गया था। फोगाट ने एक्स पर पोस्ट किया, "एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूनार्मेंट 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। पिछले एक महीने से, मैं अपने कोच और फिजियो की मान्यता के लिए भारत सरकार (साई, टॉप्स) से अनुरोध कर रही हूं। मान्यता के बिना, मेरे कोच और फिजियो मेरे साथ प्रतियोगिता मैदान में नहीं जा सकेंगे। लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी मुझे कहीं से कोई ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। क्या खिलाड़ियों के भविष्य के साथ हमेशा इसी तरह खिलवाड़ किया जाएगा?" दिग्गज पहलवान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा, "हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बृज भूषण और संजय सिंह मुझे ओलंपिक में खेलने से रोकने के लिए हर तरह से कोशिश कर रहे हैं। टीम के साथ नियुक्त किए गए सभी कोच बृज भूषण और उनकी टीम के पसंदीदा हैं, इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वे मेरे पानी में कुछ मिलाकर मुझे मैच के दौरान पिला दें? अगर मैं कहूं कि मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है, तो यह गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।" फोगाट ने पूछा कि क्या उन्हें "दंडित" किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई है।

उन्होंने कहा, "इतनी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता से पहले हमें इस तरह प्रताड़ित करना कहां तक उचित है? क्या देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें राजनीति का सामना करना पड़ेगा क्योंकि हमने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई थी? क्या यह हमारे देश में गलत के खिलाफ आवाज उठाने की सजा है। मुझे उम्मीद है कि देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें न्याय मिलेगा। जय हिंद।"

देवरानी ने किया लाठियों से प्रहार जेठानी हुई घायल, दो नामजद

अखंड भारत संदेश

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के बेरुई गांव में बीती रात पारिवारिक रंजिश के चलते दो पक्षों में लाठी डंडों से मारपीट हुई। जिसमें सरिता सिंह पत्नी रंजन सिंह पर लाठी के प्रहार से सिर में गंभीर चोट लग जाने से बेहोश हो गई। मामले में दो लोगों के खिलाफ थरवई पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल करते छानबीन कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेरुई गांव निवासी सरिता सिंह पत्नी रंजन सिंह घर में अपने काम में लगी थी इतने में बुद्धवार की रात करीब साढ़े नौ बजे उनकी देवरानी मोनिका सिंह अपनी मां सुशीला सिंह निवासी महजुदवा फूलपुर के साथ दोनों ने सरिता सिंह के देवर मंगल सिंह से गाली गलौज करने लगी। बीच बचाव करने पर उक्त दोनों महिलाओं ने सरिता सिंह के देवर मंगल सिंह को बुरी तरह से मारने पीटने लगी जिसमें मंगल सिंह बेहोश होकर गिर पड़े। आवाज सुनकर सास नगीना देवी व बेटा प्रभाकर सिंह उर्फ चंदन ने आननफानन में मंगल सिंह को मरणासन्न अवस्था में सहसों के एक निजी चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती कराया। तभी इतने में देवरानी मोनिका सिंह ने मां सुशीला के साथ जेठानी सरिता सिंह के ऊपर भी गाली गलौज करते लाठियों से कई बार प्राण घातक हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। फोन द्वारा सूचना पर बेटा प्रभाकर घर पहुंच कर मां सरिता सिंह को भी सहसों स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां गुरुवार की सुबह होश आने पर सरिता सिंह ने देवरानी तथा उसकी मां के विरुद्ध थरवई थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में थरवई पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जाँच-पड़ताल कर रही है। गंभीर रूप से घायल सरिता सिंह का इलाज स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज में चल रहा है।

डॉ. बीआर अम्बेडकर की 133वीं जयंती एवं समरसता भोज का आयोजन आज

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के करछना अंतर्गत मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय एवं फामेर्सी कालेज पनासा , पुतरिहा के प्रांगण में बड़े धूम धाम से डॉ. बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की 133वीं जयंती एवं समरसता भोज का आयोजन किया गया है । उक्त कार्यक्रम की जानकारी महाविद्यालय के प्रबंधक रणजीत सोनकर ने दी और बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी गरिमामयी उपस्थित होगे। यमुनापार के समस्त क्षेत्रवासियों को डॉ बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के जयंती एवं समरसता भोज में शामिल होने की अपील की है।

थाना प्रभारी सहित उपनिरीक्षक की बैठक, प्रभारी ने दी दरोगाओं को हिदायत

कौंधियारा, प्रयागराज। कौंधियारा थाना परिसर में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर थाना प्रभारी सीपी सिंह द्वारा उपनिरीक्षको के साथ बैठक किया गया जिसमे उप निरीक्षकों को साफ साफ हिदायत दिया गया और कहा गया कि लोकसभा का चुनाव नजदीक आ गया है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु क्षेत्र का ध्यान रखें कोई भी शिकायत का मौका ना मिले और प्रभारी ने यह भी कहा कि जनता जनार्दन से अच्छे से व्यवहार करें ध्यान रहे क्षेत्र में अराजकता न फैले अगर कोई भी व्यक्ति अराजकता फैलाता है तो उसके खिलाफ सक्त से सक्त कार्रवाई करिए किसी भी उपनिरीक्षक के हल्के में अवैध खनन या कार्य नहीं होना चाहिए अगर अवैध खनन हुआ तो हल्का उपनिरीक्षक जिम्मेदार होंगे बैठक में थाना प्रभारी सीपी सिंह सहित चौकी प्रभारी जारी विपिन वर्मा, उपनिरीक्षक शिव प्रसाद मौर्या, उपनिरीक्षक प्रीती कुमारी, उपनिरीक्षक ओम प्रकाश समेले, उपनिरीक्षक मनोहर राम, उपनिरीक्षक मृत्युंजय कुमार, उपनिरीक्षक निधि सिंह चौहान, उपनिरीक्षक गुलाब सिंह, उपनिरीक्षक उमेश चंद्र राय, उपनिरीक्षक मनीष सिंह,उपनिरीक्षक विजय कुमार, उपनिरीक्षक अभय कुमार यादव, उपनिरीक्षक हरे यादव, उपनिरीक्षक अवशेष, आरती पटेल मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा : ध्रुव चरित्र और जड़ भारत का व्याख्यान करते हुए ईश्वर भक्ति की महिमा का बखान किया

अखंड भारत संदेश

करछना। क्षेत्र के घटवा गांव स्थित श्रीमती शिव कुमारी बालिका इंटर कॉलेज में दूसरे दिन शुक्रवार को संगीतमयी सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा श्रवण करने के लिए भक्त लोगों की भीड़ रही। लोग कथा सुन भाव विभोर हो रहे हैं। कथावाचक के रूप में कथा के व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास आचार्य देवव्रत जी महाराज ने शुक्रवार को कथा प्रारंभ करते हुए ध्रुव चरित्र और जड़ भारत महात्म की कथा का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बालक ध्रुव के भक्ति को उद्धृत करते हुए लोगों से कहा कि ईश्वर को प्राप्त करने के लिए ध्रुव की तरह भक्त होने की आवश्यकता है जब इंसान ईश्वर की भक्ति में लीन होता है तो उसे मृत्यु का भय नहीं रहता और ईश्वर हमेशा उसके साथ होता है और लोगों से कथा श्रवण पर विशेष बल दिया। और बताया कि कथा के रसपान से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता हैं और वह संसार के मोह माया के बंधनों से मुक्त हो जाता है। कथा के मुख्य श्रोता यजमान ओंकारनाथ शुक्ल व शिव कुमारी शुक्ला की ओर से कथा व्यास सहित सभी आचार्य लोगों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया कथा के संयोजक मनोज कुमार शुक्ल, विवेक कुमार शुक्ला सीओ, दीपिका शुक्ला,युथिका शुक्ला, कात्यायनी शुक्ला वेदांश शुक्ला, सुशील कुमार शुक्ल और व्यवस्थापक मनोज कुमार शुक्ल की ओर से सभी भक्त लोगों के प्रति आभार जताया गया। इस मौके बड़ी संख्या में श्रोतागण व भक्त लोग मौजूद रहे।

इंडिया गठबंधन की कार्यकर्ता बैठक करछना के मुंगारी में आज

करछना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को जिताने हेतु 52 लोकसभा इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में समाजवादी पार्टी एवं कांग्रेस पार्टी की संयुक्त कार्यकर्ता बैठक करछना विधानसभा के मुंगारी स्थित मिजार्पुर रोड के बगल बाबा जी की बगिया में दिनांक 13 अप्रैल को दिन में 11 बजे दिन शनिवार को आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा के जमुनापार जिला अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद के अतिरिक्त जिले के समस्त पदाधिकारी गण एवं इलाहाबाद झांसीझरन्नातक प्राधिकारी क्षेत्र के एमएलसी डॉ मान सिंह यादव, मेजा विधायक संदीप पटेल सहित चारों विधानसभा के अध्यक्ष, जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी, विधानसभा के पदाधिकारी गण तथा सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी गण एवं कांग्रेस पार्टी के जिला ब्लॉक एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। समाजवादी पार्टी के करछना विधानसभा अध्यक्ष ननकेश बाबू ने जानकारी देते हुए बताया कि इंडिया गठबंधन से उज्जवल रमण सिंह पूर्व मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। क्षेत्र के समस्त सम्मानित कार्यकर्ता तथा पदाधिकारियों से अनुरोध है कि कार्यक्रम स्थल पर नियत समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति हैं मतदाता : एसडीएम मेजा

मतदाताओं को वोट देने के लिए जागरूकता रैली निकाल किया जागरूक

मेजा। मेजा ब्लॉक के ग्राम पंचायत भटौती के सुनंदा का पूरा में स्थित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को उपजिलाधिकारी मेजा जयजीत कौर मिश्रा द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई। जागरूकता रैली के दौरान ग्रामवासी मतदाताओं को सम्बोधित करती हुई उपजिलाधिकारी मेजा ने कहा कि मतदान सिर्फ. अधिकार ही नहीं बल्कि एक विशेषाधिकार है। हमें इस विशेषाधिकार को हल्के में नहीं लेना चाहिए और हर चुनाव में मतदान करने के लिए अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी आवाज सुनी जाए और हमारे अधिकारों की रक्षा की जाए। उन्होंने मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने और दूसरों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ साथ अपने वोट के जरिए अपनी आवाज बुलंद करने तथा लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील किया। एसडीएम ने आगे कहा कि चुनावी प्रक्रिया में भाग लेकर हमारे पास अपने राष्ट्र की दिशा को आकार देने और अपने नेताओं को चुनने तथा अपने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी मेजा कैलाश सिंह ने किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान भटौती मैंना लाल निषाद ने एसएमसी अध्यक्ष राजू निषाद, एआरपी रामनिरंजन व कमलाकांत पांडेय, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका इशरत परवीन, अमित कटियार, धर्मेंद्र कुमार, सुमन द्विवेदी, जय प्रकाश, बीएलओ अरबिंद कुमार, नीला पांडेय व मीरा देवी आदि ग्राम सभा के समस्त अध्यापकगण तथा अन्य शिक्षक गण एवम् ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अरैल घाट पर अधिक मतदान करने के लिए भक्तों ने लिया संकल्प

नैनी। नैनी के अरैल घाट पर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए गंगा तट पर भक्तों ने लिया संकल्प भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव सामाजिक कार्यकर्ता सुशील शुक्ला के नेतृत्व में नैनी अरैल घाट पर सामाजिक कार्यकताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए संकल्प लिया और आम नागरिकों से भी यह निवेदन किया कि मतदान अवश्य करें मतदान से ही देश का उत्थान हो सकता है मतदान हम लोगों का परम कर्तव्य है अधिकार है मतदान अवश्य करें इसका संकल्प लिया गया और अपील भी किया गया इस अवसर पर विश्वकर्मा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा पप्पू सिंह ऑनलाइन बाबा राजा बाबू अखिलेश पांडे ध्रुव तिवारी बाबूजी यादव संजय श्रीवास्तव डॉक्टर सुभाष कुशवाहा पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी कार्यकताओं ने मतदान करने का संकल्प और मतदान बढ़ाने की जनता से अपील की।

जंघई जंक्शनःरहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून। पानी गये न ऊबरे, मोती, मानुष, चून॥

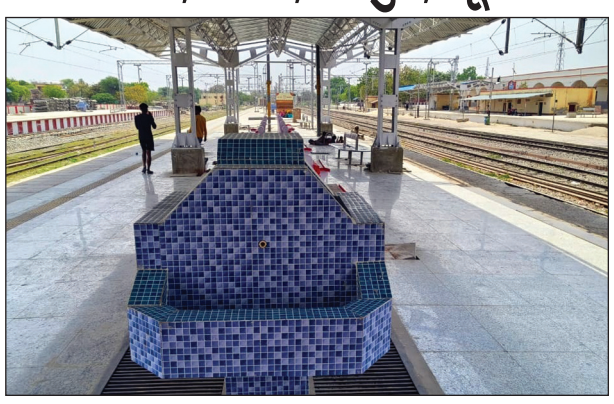

जंघई। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं से यात्रीगण वंचित हैं प्रतिदिन हजारों यात्री देश के विभिन्न हिस्सों में आवागमन करते हैं इसके बावजूद स्टेशन पर इस समय चिलचिलाती धूप में पीने के लिए पानी नहीं है टोटी टंकी लगा कर छोड़ दिया गया सप्लाई नहीं है शौचालय की व्यवस्था नहीं है, मूलभूत सुविधाएं न होने के कारण आवागमन करने वाले यात्रियों में रोष व्याप्त है।प्लेटफार्म नंबर 2, 3, 5 पर सात वाटर बूथ बन गया है फिर भी एक भी वाटर बूथ में पानी की सप्लाई नहीं की गई है। जिसके कारण गर्मी के महिने में यात्रियों को पानी के लिए बहुत दिक्कत हो रही है यहां पर एक ही शौचालय हैं जिसके कारण महिलाओं को बहुत दिक्कत हो रही है। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन प्रयागराज, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ़ जिले के मध्य बहुत बड़ा स्टेशन है हजारों यात्री रोजाना यहां से महानगरों के लिए यात्रा करते हैं रेलवे प्रशासन की बहुत बड़ी लापरवाही मानी जा रही है जिम्मेदार अधिकारी इस पर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं।जंघई स्टेशन अधीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि इस समय जंघई स्टेशन पर सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है पानी की सप्लाई बहुत जल्द शुरू हो जाएगी और स्टेशन पर एक सामुदायिक शौचालय भी बनेगा महिला वेंटिंग हाल बन गया है एक हफ्ते के अंदर चालू हो जाएगा जिससे महिलाओं को कोई दिक्कत नहीं होगी।

न्यूज झरोखा

कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नहिं होई तात तुम पाहीं

जंघई। श्री रामचरित मानस का अखण्ड पाठ अनंत काल से होता चला आ रहा है जीवन के मंगल कामना हेतु किया जाने वाला यह पाठ अत्यंत ही शुभ फलदायक है। जीवन में किसी भी शुभ एवं मांगलिक कार्यक्रम के लिए लोग अखण्ड रामायण का पाठ करवाते हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के गुणों का बखान करने वाली श्रीराम चरित मानस अखण्ड पाठ बहुत ही शुभकारी एवं मंगलकारी होता है। इसी क्रम में सेवानिवृत्त प्रवक्ता नागरिक इंटर कॉलेज जंघई कैलाशनाथ शुक्ल के निवास चनेथू शुक्लान में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया जिसमें अतिसुंदर संगीत की धुनों पर मानस के मर्मज्ञों ने अखण्ड रामायण रामचरितमानस पाठ की प्रस्तुति देकर उपस्थित सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अखण्ड रामायण पाठ संपन्न होने पर पूणार्हुति हवन आरती प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिजनों में कमलाकांत शुक्ल, प्रसिद्ध नारायण शुक्ल, संकठा प्रसाद शुक्ल, इंजीनियर अशोक कुमार शुक्ल, डॉ राजित राम शुक्ल, अभयराज शुक्ल अध्यापक, कृष्णराज शुक्ल लेखाकार, संगम लाल, राजेंद्र प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, राजेश, संतोष, प्रमोद, राजीव, भोला, हरिशचंद्र, अवनीश, विशाल, गौरव, ऋषि, आयुष, ऋषभ, सौरभ सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नशे का आदी अशोक पत्नी से झगड़ कर ट्रेन के आगे लगाई छलांग मौत

करछना थाना क्षेत्र अंतर्गत अकोड़ा में पत्नी से कहासुनी के बाद पति चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी ! बता दें अकोड़ा निवासी अशोक कुमार पुत्र स्वर्गीय संभू आएदिन शराब के नशे में पत्नी संगीता से गली गलौज और मारपीट करता था पत्नी संगीता पति अशोक से तंग आकर मायके करछना ने रहती थी आज शुक्रवार को देर शाम को पत्नी संगीता से कहासुनी के बाद पति अशोक करछना के बसरिया रेलवे लाइन पर जा रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी ग्रामीणों की मदद से परिवार के लोगों को सुचित किया गया मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जलियांवाला बाग के 105वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप के द्वारा जलियांवाला बाग कांड के शहादत को स्मरण करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने कहा कि आज ही के दिन 105 वर्ष पूर्व पंजाब प्रांत के अमृतसर में वैशाखी पर्व के दिन 13 अप्रैल को सन 1919 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में चल रहे सत्याग्रह आंदोलन के रूप में अंग्रेजी सरकार के काला कानून रौलट एक्ट जो कि भारतीयों की स्वतंत्रता आंदोलन की आवाज को दमनकारी नीतियों से बंद करने का काला कानून था । जिसका विरोध कर रहे भारतीयों के ऊपर अंग्रेजी सरकार के अफसर जनरल डायर ने अंधाधुंध फायरिंग कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया । जिसमें 484 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो गई थी और 2000 से ज्यादा लोग घायल हो गए । इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर सबसे अधिक प्रभाव डाला था और यही घटना ब्रिटिश शासन के अंत की शुरूआत बनी और जलियांवाला बाग की यह घटना अंग्रेजी सरकार की क्रूरता का वह दाग है जिसे कभी भारतीय भूल नहीं सकते । कार्यक्रम संयोजक अभिलाष केसरवानी रहे संचालन शत्रुघ्न जायसवाल किया शहीदों श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में अभिलाष केसरवानी , विवेक अग्रवाल , अजय अग्रहरि , किशन चंद्र जायसवाल ,बबीता जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल , सुशील जैन,शिवांश श्रीवास्तव, सुमित केसरवानी,मिथिलेश, सरदार पतिविंदर सिंह , विकास चौरसिया , समेत अन्य सामाजिक लोग उपस्थित रहे।

गिले शिकवे दूर कर अदा की नमाज, गले लग ईद की दी बधाई

लालगोपालगंज कस्बा समेत अंचल की जमा मस्जिदों में अदा की शुक्राने की नमाज, ईदगाहों के बाहर लगे मेले का बच्चों ने जमकर उठाया आनंद

लालगोपालगंज की 6 कड़ी में ईदगाह में नाम अदा करते अकीदतमंद। लालगोपालगंज में गले मिलकर ईद की बधाई देते बच्चे। लालगोपालगंज में ईदगाह के बाहर लगे मेला में खिलौने खरीदते बच्चे।

लालगोपालगंज। गुरुवार को अकीदत व एहतेराम के साथ ईदगाह और जमा मस्जिदों में ईद-उल-फित्र की नमाज अदा की गई। अकीदतमंदों ने मुल्क की सलामती और अमन चैन की दुआएं मांगीं। ईदगाहों के बाहर लगे मेले का बच्चों ने खूब आनंद उठाया सुरक्षा के मध्य नजर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। लालगोपालगंज कस्बा के कदीमी ईदगाह खानजहानपुर में हाफिज गुफरान, जामा मस्जिद खानजहानपुर में हाफिज मोहम्मद जावेद, जदीद जमा मस्जिद अहले हदीस में हाफिज अब्दुल रब, कदीम अहले हदीस मस्जिद मोहम्मदिया इब्राहिमपुर में मौलाना जीशान, जामा मस्जिद अहलादगंज में मौलाना मंजूर अहमद मिफ्ताही, ईदगाह निंदूरा में हाफिज मोहम्मद अकरम, पियारी ईदगाह में मौलाना सफी उल्ला और ईदगाह मेंडरा में मौलाना रागिब मियां अजहरी ने जहां ईद की नमाज अदा कराई। वहीं आसपास क्षेत्र की एहाता मस्जिद कैमा में मौलाना अब्दुल रहमान बिहरिया ईदगाह में हाफिज मोहम्मद आदिल और ईदगाह बड़ूपुर में हाफिज सरफराज अहमद के पीछे अकीदतमंदों ने नमाज अदा की। नमाज अदा करने के उपरांत ईदगाहों के बाहर निकाल कर लोगों ने गिले शिकवे दूर करो एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाइयां दी। ईदगाह के बाहर लगे मेले में बच्चों ने खिलौने की जहां खूब खरीदारी की। वहीं मेले में लगे मिक्की माउस और झूले का खूब आनंद उठाया। सुरक्षा के मद्देनजर ईदगाहों के बाहर नवाबगंज इंस्पेक्टर और चौकी प्रभारी समेत पीएसी के जवान तैनात रहे।

देर रात तक सेंवइयों के सजे रहे दस्तरखान

ईद की नमाज अदा करने के बाद घर-घर में सेंवई खाने और खिलाने का दौरा शुरू हो गया। जिसका सिलसिला देर रात तक चलता रहा। विभिन्न प्रकार के पकवान से सजे दस्तरखान पर शीर खुरमा, केवामी सेंवई, सूतफेनी, दही बड़ा, चिप्स के अलावा तरह-तरह के लजीज व्यंजन की देर रात तक दावत चलती रही।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सूखा, पेयजल, हीटवेव व अग्निकाण्ड से बचाव के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

जिलाधिकारी ने तालाबों एवं पोखरों को अप्रैल माह तक भरवायें जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में सूखा/ पेयजल/ हीटवेव/ अग्निकाण्ड से बचाव के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सूखा/ पेयजल समस्या से अत्यधिक प्रभावित बारा, मेजा एवं कोरांव तहसीलों, चिकित्सा व्यवस्था ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र, नगर व ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति, खाद्य पदार्थों एवं औषधि की जांच, पशुओं की बीमारियों की रोकथाम, सूखा/ पेयजल की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए खाद्यान्न तथा अन्य आवश्यक सामाग्री की व्यवस्था, तालाबों व पोखरों को भरवायें जाने, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था, अग्निकांड से बचाव एवं आपदा के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की। जिलाधिकारी ने बारा, मेजा व कोरांव तहसीलों में सूखा/पेयजल की समस्या से अत्यधिक प्रभावित ग्रामों में टैंकर से पेयजल की आपूर्ति कराये जाने तथा अग्निकांड की स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था रखने, ट्यूबवेल्स को चिन्हित किए जाने व तालाबों/पोखरों को अप्रैल माह तक भराये जाने हेतु सम्बंधित उपजिलाधिकारी एवं जल निगम के अधिशाषी अभियंता को कहा है। ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्रों में चिकित्सा व्यवस्था हेतु क्लोरिन टेबलेट, गर्मी से उत्पन्न बीमारियों से रक्षा हेतु आवश्यक दवाओं एवं ओआरएस की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनाये रखने, कीटनाशक दवाओं, ब्लीचिंग पाउडर एवं चूने का छिड़काव कराये जाने, हीट वेव तथा अग्निकांड से प्रभावित मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था आदि के लिए चिकित्सा विभाग को कहा है। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में जर्जर एवं टूटी पाईप लाईनों की मरम्मत, हैण्डपम्प एवं नलकूपों की मरम्मत एवं रिबोरिंग का कार्य कराने हेतु अधिशाषी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मुख्य खाद्यय सुरक्षा अधिकारी, अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन को बाजार में बिकने वाले फल, मिठाईयों व अन्य खाद्य पदार्थों एवं औषधि की जांच करते रहने के साथ ही रेस्टोरेंटों के किचनों की सफाई की भी जांच के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने पशुओं की बीमारी गलाघोंटू, मुंहपका-खुरपका की रोकथाम हेतु समय से टीकाकरण कराये जाने, हरे चारे से होने वाली हाइड्रोसाइनिक एसिड की विषाकतता की रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने खाद्यान तथा अन्य आवश्यक सामाग्री की उपलब्धता बनाये रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी को तालाबों एवं पोखरों को अप्रैल माह तक भरवायें जाने हेतु कहा है, जिससे सिंचाई एवं पशुओं को पेयजल उपलब्ध रहे। जिलाधिकारी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी से विगत वर्ष में तहसील वार हुई आग की घटनाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि शार्ट सर्किट एवं गैस सिलेण्डर से सर्वाधिक आग जनित घटनाएं घटित होती है, जिसके बचाव हेतु लोड के अनुसार वायरिंग कराये जाने तथा गैस सिलेण्डर की पाईप को समय-समय पर बदलते रहने की आवश्यकता होती है। जिलाधिकारी ने बारा, मेजा एवं कोरांव तहसीलों में सम्बंधित एसडीएम, अधीक्षण अभियंता-विद्युत वितरण, सचिव मण्डी को ग्रीष्म ऋतु में तेज हवाओं/ आंधी, पराली जलाये जाने, विद्युत शार्ट सर्किट, हाईटेंशन तार टूटने से फसलों, खेत-खलिहानों तथा मकानों में आगजनी/अग्निकाण्ड से बचाव हेतु ओवर लोड ट्रांसफार्मरों, जर्जर तारों को बदलने तथा तहसील में एक कंट्रोल रूम बनाये जाने एवं पराली न जलायी जाने पाये, इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंताओं को लगातार भ्रमणशील रहने एवं रिपोर्टिंग करते रहने के लिए कहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनय कुमार सिंह, एसडीएम अपर नगर आयुक्त, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, डीडीओ भोलानाथ कनौजिया सहित सम्बंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी: कानूनी प्रक्रिया से धर्म परिवर्तन के लिए लोग स्वतंत्र, इसके लिए सार्वजनिक सूचना जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति धर्म बदलने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया हो। कोर्ट ने कहा कि इसके लिए शपथ पत्र और समाचार पत्र में विज्ञापन दिया जाना जरूरी है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि धर्म परिवर्तन से कोई सार्वजनिक आपत्ति नहीं है। यह भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि कोई धोखाधड़ी या अवैध धर्म परिवर्तन नहीं है। साथ ही सभी सरकारी आईडी पर नया धर्म दिखाई देना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ ने की।याची वारिस अली ने कोर्ट में बताया है कि उसने शिकायतकर्ता की बेटी से शादी की है। जिससे उन्हें एक बेटी है। दोनों साथ रह रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में वाद दायर किया गया है।

प्रदेश में लागू है गैरकानूनी धर्म परिवर्तन अधिनियम

उत्तर प्रदेश में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अधिनियम 2021 लागू किया गया। यह अधिनियम गलत बयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या कपटपूर्ण तरीके से या विवाह द्वारा एक से दूसरे धर्म में गैरकानूनी रूपांतरण पर रोक लगाता है। अधिनियम की धारा 8 के अनुसार धर्म परिवर्तन करने से 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को घोषणा पत्र देना होगा। धारा 9 धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा से संबंधित है।

याची का कहना है कि उसने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन किया है।राज्य सरकार के अधिवक्ता इन बातों के सत्यापन के लिए कोर्ट से समय मांगा है कि धर्म परिवर्तन शादी के लिए किया गया या वैधानिक प्रक्रिया अपनाकर अपनी मर्जी से किया गया है। इस पर कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए छह मई की तारीख तय की है।

कचरे के ढेर से आ रही बदबू से राहगीर परेशान , संक्रमण का खतरा

सोरांव। विकास खंड के ग्राम पंचायत सेवाइथ में नियुक्त सफाई कर्मी की ड्यूटी भगवान भरोसे ही है। साल छः महीने में कभी कभार ही गांव में सफाई का कार्य किया जाता है। जिसको लेकर गांव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे ग्रामीणों ने रोष व्याप्त है। ग्राम पंचायत सेवाइथ सोरांव ब्लॉक का बड़ा गांव है। यहां पर लोगों की आबादी लगभग सात हजार के करीब है। लेकिन सफाई कर्मी के गांव में ना आने से गांव की नालियां चोक हो गई है जिससे रास्तों में कचरा फैला रहता है। इतना ही नहीं नालियां चोक होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालियों के माध्यम से सड़कों पर फैला रहता है। जिससे स्कूली बच्चों संग आने जाने वाले राजगीरों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण अब्दुल हकीम, मोहम्मद रियाज, मोहम्मद मुस्लिम, मोहम्मद शकील संग दर्जनों लोगों का आरोप है की सफाई कर्मी गांव में साल में एक दो बार ही सफाई करता है। तथा नालियों से निकला गंदा कीचड़ और पानी नालियों के बगल ही रख देता है। जिससे मच्छरों का प्रकोप बहुत ज्यादा बढ़ गया है नियमित सफाई कार्य न होने से मच्छरों का प्रकोप ज्यादा हो गया है। तथा संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसकी शिकायत कई बार जनप्रतिनिधियों से किया गया। लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया जिसको लेकर ग्रामीणों में तनाव है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार संग सहायक विकास अधिकारी पंचायत सुरेंद्र कुमार यादव से मांग किया है। कि जल्द से जल्द सफाई कर्मी की टीम लगाकर पूरे गांव को कचरा मुक्त कराया जाए जिससे फैल रहे संक्रमण पर लगाम लग सके।

मुख्य विकास अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वीप ने मतदाता जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत 25 मई को जनपद में होने वाले मतदान में अधिक से अधिक लोगो को मतदान करने के प्रति जागरूक करने हेतु जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को विकास भवन से म्योहॉल चौराहें तक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं अन्य लोगो के द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। मुख्य विकास अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वीप गौरव कुमार ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में 25 मई को घरो से निकल कर सभी लोगो को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए सबका मतदान करना जरूरी है। इस महापर्व में सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए सहभागी बनें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक पी0एन0 सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, राज्य संदर्भ दाता डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगणों के अलावा काफी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहे।

जेपी नड्डा का एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

प्रयागराज। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का प्रयागराज एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। मध्य प्रदेश में जनसभा के लिए जाते समय नड्डा कुछ देर के लिए प्रयागराज एयरपोर्ट पर रुके। यहां पर महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, भाजपा फूलपुर लोकसभा के प्रत्याशी प्रवीण पटेल और इलाहाबाद के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। नड्डा ने कहा कि इस बार मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।भाजपा को 350 अधिक और एनडीए को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। नड्डा में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में जनसभा को संबोधित करने के लिए जा रहे थे। प्रयागराज एयरपोर्ट पर उनका विमान लैंड किया। जानकारी होने पर बड़ी संख्या में नेता स्वागत के लिए पहुंच गए। नड्डा ने सभी से मुलाकात की और चुनाव में जुट जाने के लिए कहा। कुछ देर रुकने के बाद वह हेलीकॉप्टर से छिंदवाड़ा के लिए रवाना हुए।महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का प्रयागराज एयरपोर्ट पर आगमन पर स्वागत किया गया> इस अवसर पर उन्होने भाजपा इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी, कौशांबी के प्रत्याशी विनोद सोनकर एवं फूलपुर संसदीय क्षेत्र प्रत्याशी के प्रत्याशी प्रवीण पटेल को जीत की अग्रिम बधाई देते उपस्थित कार्यकताओं से कहा कि 2024 लोकसभा का चुनाव हम भारत को सैकड़ो वर्ष आगे ले जाने के लिए लड़ रहे हैं। यह चुनाव विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देगी, इसलिए सभी कार्यकर्ता और बूथ पर कमल खिलाएं और अपने-अपने बूथ पर जनता के बीच में जाकर मोदी जी के कार्यकाल की उपलब्धियां बताएं। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लगभग 11:00 बजे दिल्ली से चलकर प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। लगभग 15 से 20 मिनट तक यहां रहे और कार्यकताओं का हाल-चाल जाना तत्पश्चात मध्य प्रदेशमें हो रहे जनसभा के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर, महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, इलाहाबाद सांसद प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी, कविता यादव त्रिपाठी, सांसद विनोद सोनकर, विधायक प्रवीण पटेल, जिला अध्यक्ष गंगापार कविता सिंह पटेल, जिला अध्यक्ष यमुनापार विनोद प्रजापति, इलाहाबाद लोकसभा प्रभारी मनोज जायसवाल, फूलपुर लोकसभा प्रभारी बालेंदु मणि त्रिपाठी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, राजेश केसरवानी, वरुण केसरवानी, किरन द्विवेदी, नीरज पांडेय, पुष्पराज सिंह, प्रशांत शुक्ला, लकी साहू, अमित मालवीय आदि मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

प्रयागराज। सिविल लाइन स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यलय पर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि महात्जा ज्योतिबा फुले जैसे समाज सुधारक युगों युगों में एक बार होते हैं जो समाज को एक नई दिशा देने का काम करते हैं. भाजपा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। महात्मा ज्योतिबा फुले जी एक महान समाज सुधारक थे जिन्होंने अपने समय काल में दलितों, वंचितों के साथ महिलाओं के उत्थान के लिए भी अथक प्रयास किए। अध्यक्षता करते हुए भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश गौंड ने कहा की ऐसे महापुरुषों की बदौलत ही आज समाज में कई विसंगतियां समाप्त हो पाई हैं ' उन्हीं के प्रयास के द्वारा महिलाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता आई। जयंती पर महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण किया गया. इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, राजेश गौंड , प्रशांत शुक्ला, श्याम चंद हेला, रितेश कुमार, आयुष कुमार, अमित गौंड, राकेश भारती, सूरज गौंड, डॉ ओम प्रकाश, नीलू शुक्ला, अनिता राज, मुकेश कुमार, खुशबू देवी, मंत्री राजकुमार, पूजा जोगी, सुधा गौंड, विवेक कुमार, रमेश कुमार, , रंजीत कुमार, मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ, हीरालाल, सत्यम, सुमन दास, ऋषि कुमार, विक्रांत गौंड आदि रहे।

मुकदमा वापस ने लेने पर युवक पर जानलेवा हमला, एक गिरफ्तार

झूंसी। थाना क्षेत्र में मुकदमा वापस न लेने पर ईद के दिन नमाज पढ़ कर लौट रहे अधेड़ पर आधा दर्जन लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान फायरिंग भी की गई। मारपीट में अधेड़ को गंभीर चोट आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आधा दर्जा के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मालवा खुर्द निवासी मो. साबिर ने बताया कि उसका गांव के फुकरान से जमीन का विवाद चल रहा है। आरोप है कि फुकरान मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था। गुरुवार को फुकरान अपने भाइयों के साथ नमाज पढ़ कर लौटते वक्त उसे रोक लिया और हमला कर दिया फायरिंग भी की। मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर फुरकान, जिकरान, नुमान, अच्छे, सानू, जावेद के खिलाफ मामला दर्ज कर फुकरान को गिरफ्तार कर उंसके पास से एक जिंदा बम, 315 बोर तमंचा बरामद कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि फुकरान हनुमानगंज, झूंसी चौकी इंजार्ज के ऊपर हमले में नामजद था उसपर कई गोकसी का भी मामला दर्ज है। इन दिनों वह जमानत पर था।गिरफ्तारी करने वाली टीम चौकी इंचार्ज रहीमपुर नवीन कुमार सिंह, उप निरीक्षक मुकेश कुमार पाल, हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार।

उच्च प्राथमिक विद्यालय मुट्ठीगंज के बच्चों ने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मानव श्रृंखला का निर्माण किया

प्रयागराज। शुक्रवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय मुट्ठीगंज के बच्चों ने इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सुश्री रेनू विज के नेतृत्व में व श्रीमती अनुरागिनी सिंह जिला आईटी सब कोऑर्डिनेटर/ नगर गाइड कैप्टन के मार्गदर्शन में विद्यालय के परिसर के बाहर मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मानव श्रृंखला का निर्माण किया।यह श्रृंखला आर्य कन्या चौराहे से इवनिंग क्रिश्चियन चौराहे तक बनाई गई। पोस्टर बैनर, नारे और गाजे बाजे के साथ राहगीरों को आकृष्ट करते हुए मतदाता जागरूकता स्लोगन के नारों से जनमानस को मतदान हेतु जागृत किया गया इस अवसर पर शिक्षक ,किरण यादव, दिव्या सिन्हा, नीलम केसरवानी,मनोज कुमार पांडेय,उषा मिश्र,दीपाली गुप्ता,उषा मिश्र प्रशिक्षु अभय , निहारिका,रानी और अपूर्वा उपस्थित रहे। तथा श्रीमती अनुरागिनी सिंह ने अपना बहुमूल्य समय दिया।

ट्रेन से कटकर युवक ने दी जान,पीएम को भेजा शव

कौंधियारा। करछना थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के बीच एक युवक ने शुक्रवार की देर शाम ट्रेन से कटकर जान दे दी।युवक अपनी पत्नी से अलग अकोढ़ा गाँव मे रहता था,जहां उसका अपनी पत्नी से विवाद हो गया था।करछना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार को कौंधियारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अकोड़ा में पत्नी से कहासुनी के बाद पति चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी ! बता दें अकोड़ा निवासी अशोक कुमार(38) पुत्र स्वर्गीय संभू आएदिन शराब के नशे में पत्नी संगीता से गली गलौज और मारपीट करता था जबकि अशोक के तीन बच्चे मोना(16) राजा(12) विजय(9) साल का है और अशोक का परिवार निहायती गरीब है और मजदूरी कर-के अपना परिवार चलता था जबकि अशोक की पत्नी संगीता पति अशोक से तंग आकर मायके करछना के एक गांव में रहती थी आज शुक्रवार को देर शाम को पत्नी संगीता से कहासुनी के बाद पति अशोक करछना के भरहा नई रेलवे लाइन पर जा रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी ग्रामीणों की मदद से थाना करछना को सूचित किया गया पुलिस के द्वारा शव के तलाशी के बाद जेब से आधार कार्ड में पता चला की अशोक कुमार ग्राम अकोड़ा थाना कौंधियारा के रूप में हुई वहीं इकलाई पुलिस ने शव को पंचनामा कर पीएम हाउस के लिए भेज दिया।

सिपाही भर्ती पेपर लीक प्रकरण में अब तक छह किरदार आ चुके सामने, पूछताछ में मिले अहम सुराग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सिपाही भर्ती पेपर लीक प्रकरण कराने वाले गैंग में प्रयागराज के कुल छह लोग शामिल थे। इनमें मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्र के साथ ही पांच अन्य लोग भी थे जिनमें से चार अभी भी फरार हैं। यह खुलासा बुधवार को ग्रेटर नोएडा में गिरफ्तार पेपर लीक कांड के मुख्य साजिशकर्ता रवि अत्री ने एसटीएफ की पूछताछ में किया है। रवि अत्री ने इस पूरी साजिश का परत दर परत खुलासा किया है। उसने बताया है कि पेपर लीक मामले में पूर्व में गिरफ्तार मास्टरमाइंड राजीव नयन व अभिषेक शुक्ला निवासी सरायममरेज के अलावा पुष्कर पांडेय , संजय कुशवाहा व कामेश्वर मौर्य के अलावा अंकित मिश्रा भी शामिल था।अंकित चंद्रलोक सिनेमा हॉल के पास का रहने वाला है और वह टीसीआई के साथ ही गति, ब्लूडार्ट ट्रांसपोर्ट कंपनी में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का प्लेसमेंट कराता था। अंकित मिश्रा ही था जिसने रवि की जान पहचान तब टीसीआई में काम करने वाले सरायममरेज प्रयागराज के अभिषेक शुक्ला से कराई। इसके बाद अभिषेक व अन्य दो अन्य की मदद से ही रवि, राजीव नयन व डॉ. शुभम ने पेपर लीक कराया।

राजीव नयन का करीबी, कंसल्टेंसी में था पार्टनर

एसटीएफ सूत्रों का कहना है कि अंकित इस प्रकरण के मास्टरमाइंड राजीव नयन का बेहद करीबी है। वह जार्जटाउन में सीवाई चिंतामनि रोड पर स्थित उस कंसल्टेंसी में पार्टनर भी था जो राजीव नयन चलाता था। गौरतलब है कि भर्ती परीक्षाओं में सेंधमारी करने के साथ ही राजीव नयन एमबीबीएस से लेकर इंजीनियरिंग में दाखिले का रैकेट भी चलाता था। एडमिशन दिलाओ डॉट कॉम के नाम से संचालित होने वाली इस कंसल्टेंसी में मोटी रकम लेकर देश के टॉप कॉलेजों में एडमिशन दिलाने का दावा किया जाता था।

तीन अन्य नामों का एक दैनिक अखबार ने एक दिन पहले ही कर दिया था खुलासा

सिपाही भर्ती पेपर लीक प्रकरण में प्रयागराज के तीन नामों का खुलासा अमर उजाला ने एक दिन पहले ही कर दिया था। 10 अप्रैल के अंक में प्रकाशित खबर में बताया था कि झूंसी निवासी कामेश्वर मौर्य, बैरहना निवासी संजय कुशवाहा व यमुनानगर निवासी पुष्कर पांडेय भी इस खेल में शामिल थे। तीनों अभ्यर्थियों को पेपर रटवाने में शामिल थे और पेपर भी अपने करीबियों को भेजा था। यह तीनों रीवा स्थित रिसोर्ट में भी पहुंचे थे। एसटीएफ के एएसपी बृजेश सिंह ने बताया कि इन तीनों के साथ ही अंकित मिश्रा की तलाश की जा रही है। जबकि राजीव नयन तीन अप्रैल व अभिषेक शुक्ला 15 मार्च को ही गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं।

विनोद सोनकर को टिकट मिलने से राजा भइया असमंजस में

सपा से बातचीत का सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कौशाम्बी संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर की घोषणा से सबसे ज्यादा असहज जनसत्ता दल के रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया हुए हैं। राजा भइया को यह पूरी आशा थी कि भाजपा प्रतापगढ़ या कौशाम्बी सीट जिसमें कुण्डा व बाबागंज क्षेत्र आता है, एक सीट देगी, लेकिन प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र में भाजपा पहली सूची में संगम लाल गुप्ता को प्रत्याशी घोषित कर दिया था। उसके बाद भी उन्हें आशा बंधी थी कि कौशाम्बी संसदीय सीट में उन्हें

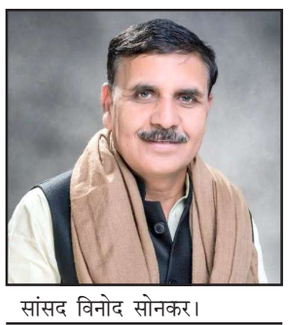

सांसद विनोद सोनकर।

विधायक राजा भइया।

यह सीट भाजपा देगी लेकिन भाजपा ने एक झटके में राजा भइया को नजरंदाज कर वहां से दो बार जीते विनोद सोनकर तीसरी बार फिर भाजपा प्रत्याशी बना दिया।

विनोद सोनकर ने अपने विकास कार्यों की बदौलत भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व से नजदीकी बना ली थी, यही कारण है कि उनका टिकट नहीं कटा। अब राजा भइया के पास सपा से तालमेल बनाकर प्रत्याशी खड़ा करने की चर्चा सोशल मीडिया पर चलने लगी है। ऐसे में लोगों का कहना है कि राजा भइया के पास सपा में जाने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा है। पता चला है कि राजा भइया इन पहलुओं पर गहन विचार विमर्श कर रहे हैं और जल्दी ही अपना निर्णय सार्वजनिक करेंगे। वैसे सपा ने एसपी पटेल को प्रतापगढ़ सीट पर घोषित किया है और इण्डिया गठबंधन के बैनर तले वह मैदान में भी उतर चुके हैं। अब सपा क्या इस सीट पर कोई परिवर्तन करेगी?

सपा में भी सब कुछ ठीक-ठाक नहीं!

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सपा के टिकट एसपी सिंह को मिलने से सपा विधायक डा0 आरके वर्मा को भी झटका लगा है, जो काफी दिनों से टिकट के लिये समाजवादी पार्टी के नेताओं से सम्पर्क बनाये हुए थे लेकिन सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एसपी पटेल को अपना प्रत्याशी बनाकर लोगों के बीच में भेजा है। इसका असर यह रहा कि सपा प्रत्याशी एसपी पटेल की प्रेसवार्ता में प्रमोद तिवारी, मोना सहित आम आदमी पार्टी व वामपंथी दल के नेता मौजूद रहे लेकिन विधायक डा0 आरके वर्मा और पट्टी विधायक राम सिंह पटेल प्रेसवार्ता में नहीं पहुंचे थे। प्रतापगढ़ का संसदीय क्षेत्र का चुनाव 25 मई व कौशाम्बी क्षेत्र का 20 मई को चुनाव है। अभी समय है, इसी कारण नये-नये कयास लगाये जा रहे हैं।

एक वृद्ध खोई माँ को बेटे से मिलाने में वरदान साबित हुई सोशल मीडिया

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। शास्त्रों में माँ का स्थान भगवान से भी बडा बताया गया है। किसी बच्चे के जन्म से लेकर अपने जीवन के अंतिम क्षण तक माँ अपने जीवन से ज्यादा पुत्र के जीवन को खुशहाल बनाने का प्रयास करती है लेकिन वही जीवनदायिनी माँ वृद्धावस्था में ये आशा विश्वास रखती है कि हमारा पुत्र हमारे सुखदुख में साथ दें

ताजा मामला देवरपट्टी फूलपुर बिहार, कुण्डा प्रतापगढ़ का है जहाँ के निवासी अजय कुमार सरोज की 65 वर्षीय बुजुर्ग माता जी जो कि मानसिक रूप से बीमार थी। पिछले 26 मार्च 2024 को खो गई थी। अजय ने बताया कि हमारा पूरा परिवार खोजबीन करके थक हार गए थे हमारा कोई सहारा नहीं था। परेशान थे। थक हारकार अपने दुख की सूचना पूज्य विष्णु महराज

विष्णु जी महराज ने चलाई थी एक वृद्ध खोई माँ के खोजबीन की मुहिम

(पर्यावरण वाले) को दी। विष्णु जी महराज ने तत्काल हमारी मदद की।

विष्णु जी महराज ने तत्काल जनसत्तादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विनोद सरोज, उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सम्मानित प्रभारीगण, एवं पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया और अपनी पूरी टीम लगाकर हमारी माता की खोजबीन के लिए दिनरात प्रयासरत रहे जिसके परिणामस्वरूप हमारी माता जी सकुशल मिल गई। हमारे पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। इस दुख की घड़ी में साथ देने वाले सभी के साथ इस मिशन के अगुआ विष्णु महराज का आभार है।

सीओ की फटकार पर आरोपियों के खिलाफ दलित उत्पीड़न व हत्या के प्रयास का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सीओ की फटकार पर लालगंज पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर दलित की पिटाई को लेकर शुक्रवार को हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के इटैला निवासी रामफेर धोबी के पुत्र गंगा प्रसाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि छह अप्रैल को शाम सात बजे गांव के चंद्रभान सिंह के पुत्र विजय बहादुर सिंह, हरकेश सिंह, कमलेश सिंह व अखिलेश सिंह तथा विजय बहादुर के पुत्र मान सिंह ने उसे जातिसूचक गाली दिया। विरोध करते हुए पीड़ित घर में घुसकर जान बचाना चाहा तो आरोपी घर में घुसकर मारपीट करने लगे। पीडित के बचाव में उसकी मां छोटकी आयी तो आरोपियों ने उसका गला दबा दिया। इससे छोटकी बेहोश हो गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, दलित उत्पीड़न तथा मारपीट व जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, जांच कर आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

मां-बेटी का हुआ अंतिम संस्कार, फफक पड़े परिजन

लालगंज, प्रतापगढ़। दुर्घटना में मां बेटी की मौत को लेकर शुक्रवार को एक साथ दो चिताओं पर अंतिम संस्कार देख परिजनों के साथ गांव के स्वजनों की भी आंखे भर आयीं। लालगंज कोतवाली के पुरवारा गांव में बुधवार की शाम बोलेरो की चपेट मे आने से गांव के अवधेश सरोज की पत्नी गुडडी उर्फ टड़हिन 50 तथा बेटी काजल 18 की मौत हो गयी थी। मृतका गुडडी का पति अवधेश मुरादाबाद से लौटा तो पुलिस की मानमनौवल के बाद गुरूवार को दोपहर दोनों शवों पीएम के लिए भेजवाए गये। देर रात शव घर पहुंचा तो मृतका की तीन निराश्रित बेटियों व परिजन फिर फफक पड़े। शुक्रवार की सुबह मृतका गुडडी तथा काजल का परिजनों ने पडोसी जिले प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर में अंतिम संस्कार कर दिया। घटना को लेकर बोलेरो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

विधानसभा प्रवास के दौरान पट्टी पहुंचे श्रम मंत्री अनिल राजभर

सपा पर साधा निशाना घोषणा पत्र को बताया छलावा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार की के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के जितने मंत्री हैं वह विधानसभा प्रवास कर रहे हैं। इसी क्रम में अनिल राजभर श्रम मंत्री शुक्रवार को पट्टी पहुंचे। पुरानी पट्टी के नंदलाल जायसवाल के पेट्रोल पंप पर पत्रकारों से बात करने के साथ कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा की प्रदेश में अन्य पार्टियों का पत्ता साफ हो जाएगा। पश्चिम के चुनाव को देखे तो जनता मोदी के चुनाव को खुद ही लड़ रही है। देश में 400

पत्रकारवार्ता में बोलते श्रम मंत्री अनिल राजभर।

पार और प्रदेश में 80 की 80 सीट बीजेपी जीतने जा रही है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही चुनाव को लेकर बचा ही नहीं है। सपा के घोषणा पत्र को श्रम मंत्री ने जनता को गुमराह करने वाला घोषणा पत्र बताया। उन्होंने कहा कि सपा प्रदेश में एक सीट तो जीत नहीं पाएगी वह अपने वादे कहां से पूरा करेगी। इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव पट्टी ब्लॉक प्रमुख राकेश सिंह, मगरौरा ब्लाक प्रमुख नंदन सिंह, आसपुर देवसरा ब्लॉक प्रमुख कमल कांत यादव, रामचरित्र वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक जायसवाल, राकेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य पूनम इंसान, खेतान लाल जायसवाल, नंदलाल जायसवाल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने लोगों से बढ़-चढ़कर मतदान करने की किया अपील

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कस्बे में लोकसभा चुनाव के पट्टी विधानसभा के नोडल अधिकारी शालिक राम प्रजापति ने पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व में जब उन्हें पट्टी विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई थी तो उनके प्रयासों से प्रतापगढ़ जनपद के सभी विधानसभा में सर्वाधिक मतदान पट्टी विधानसभा में हुआ था। इस बार उन्हें पुनः पट्टी विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि वह पुनः परिश्रम करेंगे। जिससे सर्वाधिक मतदान प्रतिशत पट्टी विधानसभा का ही रहे। पट्टी विधानसभा के लोगों से उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। दिलचस्प बात यह रही कि आज ही वह शिक्षा विभाग से सेवा मुक्त हुए हैं। बावजूद इसके चुनाव की जो जिम्मेदारी उन्हें सौंप गई है उसे बिना पूर्ण किया वह सेवा मुक्त नहीं हो सकेंगे। इस तरह से सेवा मुक्त होने के बाद भी वह जब तक चुनाव संपन्न नहीं हो जाता तब तक अपने पद पर बने रहेंगे। इस दौरान अवधेश सिंह, शिवम सिंह, के एल विश्वकर्मा, विंध्याचल सिंह, शिवकांत, विजय समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

दलित की सरेराह पिटाई, कार्रवाई से मुकर रही लीलापुर पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिशन आरोपियों द्वारा दलित की पिटाई को लेकर लीलापुर पुलिस पर दबंगों के प्रभाव में कार्रवाई न करने का पीडित ने आरोप लगाया है। पीडित ने थाने पर सुनवाई न होने को लेकर शुक्रवार को सीओ से इंसाफ की गुहार की है। लीलापुर थाना के मोती का पुरवा सगरा निवासी विनोद सरोज के पुत्र सूरज कुमार ने सीओ को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती ग्यारह अप्रैल को सुबह दस बजे वह अपने भाई को बैठाकर घर में चीनी पहुंचाने जा रहा था। तभी रंजिश को लेकर रास्ते में आरोपियों ने उसे जातिसूचक गाली देना शुरू किया। पीडित ने विरोध किया तो आरोपियो ने उसकी बाइक जबरिया रोककर मारापीटा। पीडित आरोपियो से किसी तरह बचकर घर के अंदर घुस गया तो वहां भी आरोपियो ने उसे मारपीट कर चुटहिल कर दिया। चीखपुकार सुन पीडित की मां दौड़ी तो आरोपियो ने उसे भी लाठी डंडे से मारापीटा। गांव के लोग बीचबचाव को दौडे तो आरोपी तमंचा लहराते शिकायत करने पर जानलेवा धमकी देते चले गये। पीडित का कहना है कि लीलापुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस मामले में टालमटोल करने लगी। सीओ रामसूरत सोनकर ने लीलापुर पुलिस को जांच कर आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई का निर्देश दिया है।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य व शिक्षक को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गरिमा श्रीवास्तव और वरिष्ठ हिंदी शिक्षक डॉ राममिलन यादव का सम्मान और विदाई समारोह विद्यालय परिवार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उन्हें शॉल, माला, बुके, कोलाज, और अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षक डॉ राम मिलन ने कहा कि, विद्यालय परिवार ने उन्हें बहुत स्नेह दिया जिनके वह सदा आभारी रहेंगे। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ने कहा कि, मुझे पूरे विद्यालय परिवार ने हमेशा सहयोग किया और पूरे स्टाफ ने ईमानदारी के साथ मन लगाकर पठन पाठन और विद्यालय मैं अनुशासन को स्थापित किया और विद्यालय को एक आदर्श विद्यालय के रूप में जनपद में एक नई पहचान दी, जिसकी मैं सदैव आभारी रहूंगी। सम्मानित स्टाफ के अथक प्रयास और मेहनत से-छात्राओं मैं विद्यालय के लिए एक से बढ़कर एक जनपद

जीजीआईसी में आयोजित हुआ विदाई समारोह

प्रधानाचार्य को सम्मानित करते शिक्षकगण।

स्थल एवं राज्य स्तर की उपलब्धियां हासिल की और विद्यालय परिवार का नाम रोशन कियाद्य वर्तमान प्रधानाचार्य और कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती गीता ने कहा कि पूर्व प्रधानाचार्य का कार्यकाल बहुत ही अच्छा और शानदार रहा है। उन्होंने विद्यालय को एक नई दिशा और दिशा प्रदान की है और विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

हम लोग भी उनके आदर्श पर चलते हुए विद्यालय के और अधिक विकास और तरक्की के लिए और विद्यालय के छात्राओं के सर्वांगीण विकास शासन और विभाग की मनसा के अनुरूव कार्य को संपन्न करना और अनुशासन, ईमानदारी के साथ मेहनत करके निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और विद्यालय का नाम जनपद में रोशन करेंगे। इस अवसर पर डॉ कल्पना, मंजू कुशवाहा, डॉक्टर प्रियंका सिंह, डॉ मोहम्मद अनीस, सरिता, प्रीति, प्रतिमा, पूनम, राजेश यादव कुमार, आराधना, पूनम, शिखा त्रिपाठी ,सीमा श्रीवास्तव, कीर्ति लता जायसवाल, कपेन्द्र सिंह, अनुपम भट्ट, त्रिलोकी, अरुण तिवारी, धीरज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर मोहम्मद अनीस ने किया।

आरोपी के खिलाफ छेडछाड़ का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने पीड़िता के साथ छेडछाड को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शिवगढ़ मितई निवासी राकेश सरोज की पत्नी संजू सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पचीस मार्च को गांव का आरोपी रामसुमेर का पुत्र ओमप्रकाश उसके घर घुस आया। आरोपी ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत करते हुए गाली दी। पीड़िता का शोर सुनकर उसका पति बचाव को पहुंचा तो आरोपी ने पति को भी गाली देते हुए शिकायत करने पर धमकी दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश के खिलाफ गुरूवार की रात केस दर्ज किया है।

किशोरी को भाग ले जाने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के बेला रामपुर गांव की एक महिला ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह अपने मायके गई हुई थी। घर पर उसकी 17 वर्षीय बेटी मौजूद थी। गुरुवार को जब वह वापस लौट कर आई तो देखा कि उसकी बेटी घर पर मौजूद नहीं थी। इधर-उधर खोजबीन की पर उसका कहीं पता नहीं चला। खोजबीन के दौरान पता चला कि गांव का ही एक युवक उसे भगा ले गया है। उसके घर पूछने जाने पर आप है कि युवक के परिजनों ने पैसों की मांग की। पैसा ना देने पर उसके बेटे को जान से मार देने की धमकी दी गई। पीड़ित महिला ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

घर से भागी दो किशोरियों को पुलिस ने किया बरामद

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परसई व बरियावां में पिछले सप्ताह दो अलग अलग गांव परसई व बरियावां से दो किशोरी परिजनों से बिना बताये चोरी से घर से गायब हो गई थी मामले मे पुलिस को तहरीर मिलने पर पुलिस छानबीन मे लगी हुई थी कि मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी धीरेंद्र ठाकुर ने अपने हम राही के साथ अपने थाना क्षेत्र से दोनो किशोरियो को सकुशल बरामद कर लिया जिसमे एक किशोरी शादी सुदा थी दूसरी बिना शादी शुदा थी पुलिस ने बरामद दोनो लड़कियो की लिखा पढ़ी करके न्यायालय ले जाने की तैयारी में जुटी हुई है। दोनों किशोरियों का न्यायालय के समक्ष बयान होने के बाद जो भी होगा, पुलिस विधिक कार्यवाही करेगी। दोनों किशोरियों के बरामद होने पर पुलिस को जंहा राहत मिली, वहीं परिजनों में उदासी दिखाई दे रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि बरियावां की किशोरी को महज चार घंटे मे बरामद कर लिया गया जब कि परसई की किशोरी 2 अप्रैल 2024 को घर से अपने प्रेमी के साथ फुर्र हो गई थी, जो शादी कर ली है। दोनों किशोरियों को अलग जगहों से बरामद कर पूछताछ किया जा रहा है दोनो बरामद किशोरी महिला पुलिस के देखरेख में है।

भगवान् का स्मरण जीवन और मरण दोनों को सुधारता है: स्वामी सम्पूर्णानन्द

लालगंज में श्रीमद्भागवत कथा श्रवण को उमडे श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। नगर के घुइसरनाथ रोड पर हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथाव्यास प्रयागराज से पधारे स्वामी सम्पूर्णानंद जी महराज ने कहा कि भगवान का स्मरण करते रहने पर मनुष्य के जीवन और मरण दोनों का उद्धार हुआ करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि प्रभु की आराधना करते हुए दूसरों की पीड़ा हरने पर पाप जला करता है। वही उन्होनें कहा कि जो दूसरों को पीड़ा पहुंचाया करता है उसका पाप बढ़ा करता है।

सम्पूर्णानंद जी महराज ने कहा कि सुभद्रा और भीष्म पितामह ने भगवान से एक समान वर मांगा था। इसके तहत दोनों ने भगवान से यह प्रार्थना की थी कि जब शरीर आशक्त हो जाय और मृत्यु सामने हो तो उसे भगवान का शरण का पुण्य मिलना चाहिए। पाण्डव पुत्रों के वध को लेकर अश्वस्थामा को ब्राम्हण के रूप में क्षमा करने के द्रोपदी की दयालुता का भी उन्होनें मार्मिक वर्णन किया। कथाव्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण में ही यह क्षमता है कि वह द्रोपदी को भीष्म पितामह से अखण्ड

कथा सुनाते स्वामी सम्पूर्णानन्द जी महराज।

सौभाग्यवती का वरदान दिला सके। कथा के दौरान द्वारिकाधीश की वंदना में भजन की मनमोहक प्रस्तुतियों में भी श्रद्धालु मंत्रमुग्ध दिखे। संयोजक समाजसेवी रामलखन जायसवाल तथा मीरा जायसवाल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। शिवकुमार जायसवाल व कैलाशनाथ तथा दीपक ने कथाव्यास का श्रीअभिषेक किया। इस मौके पर डा. अवध नारायण मिश्र, राजकुमार मिश्र, श्रीपाल सिंह, देवी प्रसाद मिश्र बेलौरा, नरेन्द्र नारायण तिवारी, अनिल त्रिपाठी महेश, ध्रुव नारायण मिश्र, रामप्रकाश जायसवाल, मुन्ना लाल जायसवाल, रामजी जायसवाल आदि रहे।

संस्कृत के उन्नयन पर व्याख्यान माला आज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के सन्त नगर रैठ नोती में आज शनिवार को शिवगंगाराम गुरूकुलम् में संस्कृत शिक्षा के उन्नयन को लेकर चतुर्वेद पर अपरान्ह तीन बजे व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी शिवगंगाराम गुरूकुलम् के संस्थापक स्वामी जितेन्द्र महराज ने दी है।

जहर खाने से विवाहिता की मौत, ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र में विवाहिता की जहर खाने से इलाज के दौरान मौत हो गयी। विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर उसके पिता की तहरीर पर ससुरालीजनों के खिलाफ पुलिस ने दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

इटौरा पहाड़पुर निवासी सुधीर तिवारी की पत्नी विभा 24 द्वारा बीते नौ अप्रैल को ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खा लेने की बात सामने आयी है। ससुरालीजन गंभीर स्थिति में विभा को पडोसी जिले गौरीगंज के असैदापुर अस्पताल ले गये। वहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने मृतका को लखनऊ रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान गुरूवार की सुबह विवाहिता की मौत हो गयी। मौत की सूचना परिवार में पहुंची तो कोहराम मच गया। पुलिस ने जानकारी मिलने पर शव का पंचनामा कराकर पीएम के लिए भेजवाया। इधर विभा की मौत को लेकर उसके पिता पवन मिश्र निवासी छोटा रामनाथपुर अमेठी ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि एक वर्ष पूर्व उसने अपनी पुत्री विभा की शादी इटौरा पहाड़पुर के रामअभिलाख तिवारी के पुत्र सुधीर तिवारी से किया था।

मृतका के पिता के मुताबिक शादी के बाद ससुरालीजन दहेज के लिए उसकी लड़की को प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि दहेज को लेकर पति सुधीर तथा ससुर रामअभिलाख, देवर नीरज, चचिया ससुर रामप्रकाश तिवारी, रामचंद्र तिवारी तथा ओमप्रकाश की पत्नी व बेटी ने एकराय होकर जबरिया विभा को जहरीला पदार्थ खिला दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति समेत आरोपी ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। इधर मृतका के पति सुधीर का कहना है कि घटना के दिन उसकी पत्नी मायके जाने के लिए अपने पिता से जिद किया। पिता के न आने पर पत्नी विभा ने जहर खा लिया।

समाजसेवी रमाकान्त मिश्र की पुण्यतिथि पर अर्पित की गयी पुष्पांजलि

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर क्षेत्र के पूरे शिवगुलाम देउम पूरब में बाबा जयगुरूदेव के अनुयायी रहे समाजसेवी रमाकान्त मिश्र की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। विप्र समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वर्गीय रमाकान्त मिश्र को सादगी का प्रतीक ठहराते हुए उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। आचार्य बृजबिहारी मिश्र एवं समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्व. रमाकान्त मिश्र जयगुरूदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अभिषेक मिश्र, धनंजय मिश्र, करूणापति मिश्र, आशुतोष मिश्र, बद्रीनाथ मिश्र, राधे बिहारी मिश्र, राजेन्द्र मिश्र, देवी प्रसाद आदि रहे।

पंचायत भवन का ताला तोड़कर इन्वर्टर बैटरी व डिवाइस चोरी

परियावां, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत पूरे धना टिकरिया के गोसाई का पुरवा मे बुधवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने पंचायत भवन का ताला तोड़कर इन्वर्टर बैटरी के साथ सीसीटीवी कैमरे की डिवाइस चुरा ले गये। गुरुवार की सुबह जब ग्रामीणो की नजर पंचायत भवन के दरवाजे पर पड़ी तो ताला टूटा देख हड़कंप मच गया जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान आलोक पटेल को दी। सूचना पर पहुंची संग्रामगढ़ पुलिस घटना की तहरीर मिलते ही जाँच में जुटी हुई है।

अपर जिलाधिकारी ने ग्राम कोरों में करायी क्रॉप कटिंग

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अरूण कुमार गोंड ने ग्राम-कोरों के निवासी विन्देश्वरी के खेत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी फसल गेहूं की क्रॉप कटिंग सीसीई एग्री ऐप से करायी तथा अन्नदाता किसान विन्देश्वरी को सम्मानित किया व अपने सामने तौल भी करायी। उन्होंने उपस्थित किसानो को फसल बीमा योजना एवं क्रॉप कटिंग की महत्ता के बारे में जागरूक भी किया।इस अवसर पर सहायक सांख्यिकीय अधिकारी भूलेख मनोज कुमार मिश्र, एल.आर.सी भूलेख वासुदेव त्रिपाठी, जिला समन्वयक फसल बीमा बृजेश यादव, राजस्व निरीक्षक लव प्रसाद द्विवेदी, राजस्व लेखपाल सोहन लाल व फसल बीमा प्रतिनिध वेद प्रकाश विश्वकर्मा तथा किसान भाई मनोज कुमार, राम सजीवन, कृतेन्द्र कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

किसानों को क्रॉप कटिंग की महत्ता के प्रति किया गया जागरूक

उप कृषि निदेशक ने ग्राम शहजादपुर उपरहार में करायी क्रॉप कटिंग

कौशाम्बी। उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी ने ग्राम-शहजादपुर उपरहार के निवासी राकेश कुमार के खेत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी फसल गेहूं की क्रॉप कटिंग सीसीई एग्री ऐप से करायी तथा अन्नदाता किसान राकेश कुमार को सम्मानित किया व अपने सामने तौल भी करायी। उन्होंने उपस्थित किसानों को फसल बीमा योजना एवं क्रॉप कटिंग की महत्ता के बारे में जागरूक भी किया इस अवसर पर सहायक सांख्यिकीय अधिकारी भूलेख मनोज कुमार मिश्र, जिला समन्वयक फसल बीमा बृजेश यादव, राजस्व लेखपाल अमन सिंह व फसल बीमा प्रतिनिधि वेद प्रकाश विश्वकर्मा व शशि प्रकाश शर्मा तथा किसान भाई उपस्थित रहे।

मतदान कार्मिकों को 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक दिया जायेगा प्रथम प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने अवगत कराया है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए मतदान कार्मिकों-पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम को मास्टर ट्रेनरों द्वारा एम0वी0 कानवेन्ट स्कूल एण्ड कॉलेज, ओसा में 18 अप्रैल से 23 अप्रैल 2024 तक 02 पालियों-प्रथम पाली प्रातः 09 बजे से मध्यान्ह 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 02 बजे से सांय 05 बजे तक प्रथम प्रशिक्षण दिया जायेंगा। प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि दिनांक 18 अप्रैल को प्रथम पाली में कार्मिक कोड संख्या-01 से 400 तक तथा द्वितीय पाली में कार्मिक कोड संख्या-401 से 800 तक के कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जावेंगा। इसी प्रकार 19 अप्रैल को प्रथम पाली में कार्मिक कोड संख्या-801 से 1200 तक तथा द्वितीय पाली में कार्मिक कोड संख्या-1201 से 1600 तक, 20 अप्रैल को प्रथम पाली में कार्मिक कोड संख्या-1601 से 2000 तक तथा द्वितीय पाली में कार्मिक कोड संख्या-2001 से 2400 तक, 22 अप्रैल को प्रथम पाली में कार्मिक कोड संख्या-2401 से 2800 तक तथा द्वितीय पाली में कार्मिक कोड संख्या-2801 से 3200 तथा 23 अप्रैल को प्रथम पाली में कार्मिक कोड संख्या-3201 से कार्मिक कोड संख्या-3500 तक के कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया।

अंबेडकर पार्क की गिरी छत तीन मजदूर लहूलुहान

अखंड भारत संदेश

नसीरपुर में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित करने के लिए पार्क में बनाई गई थी छत

महगाव कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज ब्लाक अन्तर्गत ग्राम पंचायत नसीरपुर मे अम्बेडकर पार्क मे मूर्ति स्थापित के लिए बनाई गई छत शुक्रवार को अचानक भरभरा कर गिर पड़ी है छत गिरने से कई मजदूर उसके मलवा के नीचे दब गए हैं हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस बचाव एवं राहत कार्य में लगी है छत के नीचे मजदूरों के दबे होने की जानकारी मिलते ही उनके परिवार के लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।जानकारी के मुताबिक संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नसीरपुर में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित करने के लिए पार्क में छत बनाई गई थी लेकिन घटिया निर्माण के चलते मानक अनुसार छत नहीं बन सकी शटरिंग वाले ने 5 दिन में जबरन शटरिंग का लिनटर खोल दिया लिंटर खुलते ही छत भरभराकर कर गिर गयी जिससे मौके पर हड़कंप मच गया छत के मलवा के नीचे तीन मजदूर दब गए मौके पर चीख पुकार मच गई आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मलवा हटा करके उसके नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला हादसे में तीन मजदूर गंभीर घायल हो गए हैं इस हादसे में मूलचंद्र उम्र 51 वर्ष पुत्र स्व मायादीन निवासी ग्राम नसीरपुर सतीश उर्फ ससाराम उम्र 16 वर्ष निवासी चरवा नंदे उम्र 30 वर्ष पुत्र दुखी निवासी नसीरपुर को गंभीर चोटे आई हैं आनन फानन में घायल मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है छत गिर जाने के बाद परिवार और गांव वालों में आक्रोश व्याप्त है।

बालिका ना बरामद होने पर बाल कल्याण समिति ने मामले को लिया संज्ञान, एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश

मंहगांव कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के काशिया पूर्व गांव की एक नाबालिग बालिका 28 मार्च को पड़ोसी गांव के युवक के साथ गायब हो गई है घटना को धीरे-धीरे 15 दिन बीत गए हैं पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन अभी तक गायब नाबालिग बालिका को पुलिस ने बरामद नहीं किया है जिले से तमाम बालिकाएं गायब हो रही हैं जिनको बरामद करने के लिए लगातार थाना पुलिस लापरवाह बनी हुई है जिससे गायब बालिका के परिवार के लोग परेशान होते हैं जिस पर परिवार के लोग बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश हुए परिवार के लोगों की बात सुनने के बाद बाल कल्याण समिति ने मामले को गंभीरता से लिया है और संदीपन घाट थाना पुलिस को बालिका को बरामद कर एक सप्ताह के भीतर बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है बाल कल्याण समिति का निर्देश मिलने के बाद पुलिस ने तेजी दिखाने शुरू कर दिया है।

सैनी कोतवाली पुलिस ने पैरामिलिट्री फोर्स के साथ किया एरिया डॉमिनेशन

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में थाना सैनी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत पैरामिलिट्री फोर्स (रइ) के साथ और ड्रोन कैमरे के जरिए एरिया डोमिनेशन किया है सशस्त्र पुलिस बल कंपनी कमांडर सुग्रीव सिंह का चौकी प्रांगण में सैनी कोतवाली अतिरिक्त निरीक्षक अयोध्या कुमार और चौकी इंचार्ज अझुवा अरुण कुमार मौर्य ने माल्यार्पण कर स्वागत किया है तत्पश्चात सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ सैनी कोतवाली पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए भोला चौराहा लाई मंडी,गुड़ मंडी वार्ड नंबर 2 अंबेडकर नगर सनई मंडी, सब्जी मंडी होते हुए पुलिस चौकी पहुंची है क्षेत्र का डोमिनेशन कर ताकत का एहसास कराया गड़बड़ी के इरादे पालने वालों को चेतावनी दी गई कि अगर किसी ने चुनाव में व्यवधान पहुंचाने की कोशिश की तो उसकी खैर नहीं जवानों ने मतदाताओं से कहा की पुलिस प्रशासन उनकी रक्षा और सुरक्षा के लिए तैयार खड़ा है निर्भीक होकर मतदान केंद्र पर जाएं आप लोग और मतदान करें इस दौरान अतिरिक्त निरीक्षक सैनी अयोध्या कुमार ,चौकी इंचार्ज अरुण कुमार कुमार मौर्य एवं भारी पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान मौजूद रहे।

महीनों बीते बालिका को बरामद करना भूल गई पुलिस

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के नौबस्ता गांव से 28 फरवरी को नाबालिग बालिका को रिश्तेदारी का एक लड़का विक्रम में बैठकर भगा ले गया है बालिका के जाने के वक्त उसके घर में छोटा भाई और बहन मौजूद थे जिन्होंने घटना को देखा व सुना है घटना के वक्त बालिका की मां खेत की ओर गई थी छोटे बच्चों ने मां को मामले की पूरी जानकारी दी बालिका का पिता रोजी-रोटी के चक्कर में मुंबई में रहता है जब उसे जानकारी मिली तो वह भी लौटकर घर आ गया मामले की सूचना थाना पुलिस को दिया गया थाना पुलिस से न्याय न मिलने पर मामले की सूचना पुलिस अधीक्षक को दिया गया लेकिन घटना को लगभग डेढ़ महीने बीत रहे हैं लेकिन गायब बालिका का सुराग पुलिस नहीं लगा सकी है बताया जाता है कि क्षेत्र के चौकी इंचार्ज आरोपियों से साठगाँठ कर चुके हैं जिससे गायब बालिका को बरामद करने में पुलिस लापरवाह बनी हुई हैं और पुलिस की लापरवाही के चलते बालिका बरामद नहीं हो सकी है डेढ़ महीने के बीच आरोपी युवक के परिजनों को बुलाकर उनसे युवक के बारे में पुलिस ने जानकारी करने का प्रयास नहीं किया है यदि पुलिस ने आरोपी युवक के परिजनों से कड़ाई से पूछताछ की होती तो बालिका बरामद हो गई होती लगभग डेढ़ महीने पूर्व बालिका के गायब होने के बाद बालिका के ना बरामद होने से परिवार के लोग परेशान हैं और उन्होंने अनहोनी की आशंका जाहिर की है।

पूर्व मंत्री के बेटे पुष्पेंद्र सरोज होंगे समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी

राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले इंद्रजीत सरोज बहुजन समाज पार्टी की सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। लोकसभा सुरक्षित सीट कौशाम्बी से समाजवादी पार्टी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मंझनपुर से सपा विधायक इंद्रजीत सरोज के बेटे पुष्पेंद्र सरोज को प्रत्याशी घोषित किया है। राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले इंद्रजीत सरोज बहुजन समाज पार्टी की सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं स्थानीय मतदाताओं के बीच उनकी गहरी पकड़ है इंद्रजीत सरोज के बेटे के कौशांबी लोकसभा सीट से दावेदारी किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारे में हड़कंप बचा हुआ है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री इंद्रजीत सरोज मंझनपुर से वर्तमान में सपा के विधायक है और इस बार पांचवीं बार वह विधायक निर्वाचित हुए हैं कौशांबी लोकसभा का पासी मतदाता हमेशा निर्णायक साबित हुआ है पासी मतदाताओं के बीच इंद्रजीत सरोज की मजबूत पकड़ है। पूर्व कैबिनेट मंत्री इंद्रजीत सरोज के बेटे पुष्पेंद्र सरोज को टिकट मिलने पर सपा कार्यकताओं में खुशी की लहर है और जगह-जगह पर कार्यकताओं में जश्न बनाया है।

बेखौफ तरीके से काटे जा रहे हैं हरे पेड़

कोर्राई हाजीपुर पतौना बरातफारिक देवखरपुर बाजा पुर सहित दर्जनों गांव में बीते एक वर्ष से लकड़ी माफिया सक्रिय, पुलिस चौकी कोर्राई के उप निरीक्षक सिपाही वन विभाग और लकड़ी माफिया की साठगाँठ के चलते नष्ट हो रही है हरियाली

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कोर्राई हाजीपुर पतौना बरातफारिक देवखरपुर बाजा पुर सहित दर्जनों गांव में बीते एक वर्ष से लकड़ी माफिया कई मजदूरों के साथ इलेक्ट्रॉनिक पेट्रोलिंग आरा मशीन लेकर प्रतिदिन हरे पेड़ के कटान के लिए गांव क्षेत्र में निकल जाते हैं प्रतिदिन इलाके में हरे पेड़ का कटान हो रहा है और उसके बाद वाहनों के जरिए हरे भरे हुए पेड़ की लकड़ियों को आरा मशीनों में पहुंचाया जा रहा है बताया जाता है कि बाजापुर गांव का एक लकड़ी माफिया इलाके में हरे पेड़ की कटान में कई मजदूरों के साथ तेजी से लगा है स्थानीय पुलिस चौकी कोर्राई के उप निरीक्षक सिपाही वन विभाग और लकड़ी माफिया की साठगाँठ के चलते इलाके की हरियाली नष्ट हो रही है शुक्रवार को फिर बरातफारिक गांव में लकड़ी माफिया द्वारा कई हरे पेड़ काट दिए गए हैं चचाओं पर जाएं तो 3 महीने के बीच सैकड़ो हरे पेड़ लकड़ी माफिया द्वारा काटे गए हैं लेकिन उसके बाद भी वन विभाग के रेंजर से लेकर चौकी पुलिस ने लकड़ी माफिया की कटान पर रोक नहीं लगाई है अभी तक लकड़ी माफिया पर मुकदमा दर्ज करके उसकी गिरफ्तारी वन विभाग और चौकी पुलिस ने नहीं की है जिससे इलाके में पर्यावरण का संकट उत्पन्न हो रहा है क्षेत्र के लोगों ने वन विभाग और पुलिस विभाग के आला अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए लकड़ी माफिया पर कार्यवाही कर हरे पेड़ कटान पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

कड़ा ब्लॉक क्षेत्र में बनाई जा रही है घटिया नाली

खंड विकास अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख पर कमीशन खोरी का आरोप

अखंड भारत संदेश

कड़ा कौशाम्बी। कड़ा ब्लॉक क्षेत्र के दरियापुर जीता गांव में कई लाख रुपए की लागत से 600 मी नाली का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन नाली निर्माण में लगे ठेकेदार के मनमानी के चलते बेखौफ तरीके से घटिया निर्माण हो रहा है जिसका विरोध ग्रामीणों ने भी किया है बताया जाता है कि ब्लॉक क्षेत्र में इसके पहले भी जहां-जहां भी नाली निर्माण कराया गया है वह मानक विहीन है और बनते ही टूटने लगी हैं खंड विकास अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख पर कमीशन खोरी का आरोप लगाया है पीली ईट से नाली का निर्माण हो रहा है नाली निर्माण में कहीं भी सरिया छड़ का उपयोग नहीं हुआ है बताया जाता है कि मानक से बहुत कम सीमेंट का मिश्रण किया जा रहा है इसके बाद ग्रामीणों ने ठेकेदार के मनमानी पर जमकर विरोध किया है ग्रामीणों ने बताया कि 10 अनुपात एक सीमेंट बालू मिश्रण का उपयोग नाली निर्माण में ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है जिससे नाली बनते ही टूटने लगी है लेकिन उसके बाद घटिया निर्माण पर खंड विकास अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख ने रोक लगाने की कोशिश नहीं की है नाली निर्माण में धांधली को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों का ध्यान भी आकर्षित कराया है ग्रामीणों ने कहा कि घटिया निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार के साथ साठगाँठ करने वाले अधिकारी और प्रमुख पर कठोर कार्रवाई की जाए।

दबंगों ने दलित को बेरहमी से पीटा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के शेखपुर रसूलपुर गांव के दलित विनोद कुमार पुत्र केशव प्रसाद को 7 अप्रैल की रात्रि दबंगों ने बेरहमी से पीट दिया है जिससे दलित को चोट आई हैं मामले की सूचना थाना पुलिस को दिए जाने के बाद मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है विनोद कुमार ने बताया कि वह 7 अप्रैल की रात्रि लगभग 2:30 बजे शौच क्रिया के लिए हां घर से बाहर खेत की ओर गया था तभी बुधाई पुत्र फूलचंद व उसके दो साथी निवासी तुरंतीपुर थाना चरवा ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए उस पर जानलेवा हमला कर दिया है जिससे उसे गंभीर चोटें आई है

राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम के तहत आवांटित खद्दान का निःशुल्क वितरण 13 अप्रैल से 29 अप्रैल तक

कौशाम्बी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आवंटित खदान का निशुल्क वितरण माह अप्रैल 2024 में वितरण दिनांक 13 अप्रैल 2024 से 29 अप्रैल 2024 के बीच किया जाएगा उक्त के दृष्टिगत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु जनहित में जनपद कौशांबी के समस्त राशन कार्ड धारकों को सूचित किया गया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत माह अप्रैल 2024 के सापेक्ष अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलो खद्दान जिसमें 14 किलो ग्राम गेहूं एवं 21 किग्रा चावल प्रति कार्ड एवं पात्र राशनकार्ड धारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान का वितरण नोडल अधिकारियों के उपस्थिति में किया जाएगा सभी उचित दर विक्रेताओं को भी निर्देशित किया गया कि स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के उपरांत ही निशुल्क खद्दान का वितरण कार्ड धारकों को करेंगे उक्त वितरण दिवसों में उचित दर की दुकानों पर खद्दान वितरण का कार्य प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 9:00 तक सुनिश्चित किया जाएगा वितरण के दौरान उचित दर विक्रेता द्वारा प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में टोकन कार्ड धारकों में वितरित किया जाएगा और समय की उपलब्धता एवं नई ईपास मशीनों से हो पा रहे वितरण के अनुरूप उसमें अपेक्षित परिवर्तन करते हुए खद्दन वितरण का कार्य पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा मोबाइल ओटीपी के माध्यम से वितरण की अंतिम तिथि दिनांक 29/4 /2024 तक होगी पोविल्टी के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की सुविधा उचित दर विक्रेता की स्टॉक में उपलब्ध खद्दन की सीमा तक होगी राशन कार्ड धारकों से अपील किया गया है कि उचित दर विक्रेता को अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हुए नियमानुसार आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करें किसी भी तरह से राशन प्राप्त करने में असुविधा होती है तो इसके लिए संबंधित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी पूर्ति निरीक्षक से संपर्क करें वितरण से किसी भी समस्या के समाधान हेतु मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं जिसका जिला आपूर्ति अधिकारी कौशांबी 7839 5646 32 क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिराथू 7007 172381 , पूर्ति निरीक्षक चायल नेवादा 9451 57 2412, पूर्ति निरीक्षक कौशांबी 9473 52 5538 पूर्ति निरीक्षक कड़ा मूरतगंज 9161 31 301 पूर्ति निरीक्षक मंझनपुर सरसवा 9451 73 6687 पर कॉल कर सकते हैं।

सफाई कर्मी बना नेता गंदगी से ग्रामीण परेशान

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के सरीफपुर उर्फ माखूपुर गांव मे गंदगी का अंब्बार लगा है पूरे गांव में जगह-जगह गंदगी भरी होने से बीमारी की आशंका भी बनी है कूड़े के ढेर से दुर्गंध उठ रही है जिससे लोगों का जीना मुहाल है एक तरफ स्वछता अभियान के तहत भारत सरकार और प्रदेश सरकार सफाई व्यवस्था पर जोर दे रही है गांव की सफाई करने के लिए सफाई कर्मियों को मोटा वेतन दिया जा रहा है लेकिन उसके बाद गांव की सफाई नहीं हो रही है जिससे स्वच्छता अभियान पर सवाल खड़े हो गए हैं। कई कई महीने बीत जाने के बाद गांव की सफाई न होने से गांव के लोग गंदगी से परेशान हैं जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं नाली बजबजा रही है लेकिन सफाई कर्मचारी गांव की सफाई करने नहीं आता है गांव में तैनात सफाई कर्मी नेता बन गया है और यह इस समय लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में लगा हुआ है सफाई कर्मी ग्राम प्रधान कृपाशंकर के ही घर तक सफाई करने में सीमित है सफाई कर्मचारी के मनमानी पर पंचायत सचिव ने भी रोक नहीं लगाई है लोकसभा चुनाव के प्रचार में लगे सफाई कर्मचारी के कारनामे की ओर ग्रामीणों ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए सफाई कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग की और गांव में दूसरे सफाई कर्मचारी को तैनात कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने की मांग की है।

संपादक की कलम से

महिला सशक्तिकरण के हिमायती थे डा.आम्बेडकर

हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेंगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेंगें। ऐसा कोई काम नहीं करेंगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लंघन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रद्धांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार में हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढ़ने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होंने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होंने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हें सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ भीमराव आम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओं के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण सामाजिक व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लड़कों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते हैं। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। आम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरूआत ही शिक्षित करो से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही अधम था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे। बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढ़ाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्रहालय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी।
यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

कंगना जैसे लोग भाजपा के आभूषण हैं

भारतीय जनता पार्टी के दस वर्षीय शासनकाल में जो विवेकशून्य और ज्ञानहीन लोगों की खेप इस संगठन में उतारी गई है उनमें हालिया नाम कंगना रनौत का है। भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंखों में बहुत कम समय में चढ़ने वाली कंगना को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। हिन्दी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में उनकी पहचान बनी है परन्तु उनका भाजपा में स्वागत व समावेश इस कारण से हुआ है क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ समय से भाजपाविरोधी दलों व नेताओं के खिलाफ सतत बयानबाजी की है। बयान भी ऐसे ऊलजलूल कि वे भाजपा जैसे दल के लिये ही स्वीकार्य और स्वागत योग्य हो सकते हैं। वैसे तो कंगना अपने बयानों से लोगों का ध्यान खींचती रही हैं परन्तु उनका ताज़ा-तरीन बयान विशेष चर्चा में आया है। उन्होंने एक न्यूज़ चैनल में कहा कि 'देश के पहले प्रधानमंत्री सुभाषचन्द्र बोस थे जिनका आज तक कहीं पता नहीं है।' उनके इस बयान पर नेताजी के पोते चंद्रकुमार बोस ने उन्हें फटकार लगाई है। देश के सर्वाधिक सम्मानित नेताओं में से एक सुभाष बाबू के वारिस ने कहा कि 'किसी को भी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिये इतिहास को विकृत नहीं करना चाहिये।' सवाल यह है कि क्या कंगना रनौत इतिहास से इतनी अनभिज्ञ हैं कि उन्हें यह भी नहीं पता कि जिस लोकसभा में प्रवेश पाने के लिये वे मतदाताओं के बीच पसीना बहा रही हैं, उसी सदन में (बेशक पुराना भवन) करीब 75 वर्ष पहले जवाहरलाल नेहरू नामक व्यक्ति ने पीएम के पद पर बैठकर एक-दो नहीं वरन 17 वर्ष देश का नेतृत्व किया था। स्कूल की निचली कक्षाओं में भी गये हर छात्र को नेहरू का नाम अनगिनत सन्दर्भों में पढ़ने का अवसर मिलता है। कंगना इतनी तो पढ़ी-लिखी हैं ही कि वे भी एकाध ऐसे अध्यायों से जरूर होकर गुजरी होंगी। असली बात यह है कि 2014 में खुली वाट्सएप यूनिवर्सिटी में वे स्वेच्छा से पढ़ाई करने के लिये दाखिल हुई छात्रा हैं। इस विश्वविद्यालय की खासियत यह है कि इसमें दीक्षित होने के लिये किसी भी विद्यार्थी को अपनी पहले की स्लेट को पूरी तरह से पोंछकर आना पड़ता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा तैयार किये गये सिलेबस को रटकर समाज के बीच जाना पड़ता है तभी उसे इतना होनहार माना जाता है कि वह बगैर किसी अनुभव के ही सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट पा सकता या सकती है। कहना न होगा कि इस पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय इतिहास होता है। नये सिरे से लिखे गये इतिहास में पराजितों को विजेता घोषित करने से लेकर गद्दारों को देशभक्त बनाने और मध्ययुग के अंधकार को विकसित भारत का प्रकाश बतलाने से लेकर दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान को अपनी उपलब्धियां बतलाने वाले लम्बे-लम्बे अध्याय हैं। छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से इसमें तोड़-मरोड़ की भी पर्याप्त सुविधा व स्वतंत्रता होती है। कंगना इस विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा हैं। ऐसा नहीं कि उनकी इस योग्यता को रातों-रात मान लिया गया हो। उन्होंने कई मौकों पर यह साबित किया है। उन्होंने ही कुछ अरसा पहले बतलाया था कि देश को वास्तविक आज़ादी 1947 में नहीं वरन 2014 में मिली थी। यह वही बयान है जिससे मोदी एवं भाजपा को उनकी प्रतिभा का भान हुआ होगा। हालांकि उसके पहले जब वे महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चली शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी सरकार से उलझती रहीं, तो भी माना गया था कि वे पार्टी के लिये उपयोगी हो सकती हैं। उन्हें बाकायदे उच्चस्तरीय सेक्युरिटी दी गई है। उन्हें उनके अभिनय के लिये पद्मश्री पुरस्कार भी दिया गया। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य उद्घाटन अवसर पर जिन गिने-चुने लोगों को आमंत्रित किया गया था उनमें वे अग्रिम पंक्ति की मेहमान थीं। उनके वे वीडियो भी खूब वायरल हुए हैं जिनमें वे उत्साह में भरकर इतनी ऊंची आवाज में 'जयश्री राम' के नारे लगा रही हैं कि वह सम्भवतः स्वर्ग में विराजमान प्रभु तक अवश्य पहुंची होगी। उसी का यह नतीजा हो सकता है कि उन्हें बगैर किसी सियासी अनुभव या पार्टी में प्राथमिक स्तर पर काम किये बिना लोकसभा में पहुंचाने की भाजपा ने ठानी।

अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद पूरी आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं !

अशोक भाटिया

दिल्ली के कथित शराब घोटाले में अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद पूरी आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें थम नहीं रही हैं। एक तरफ जहां शीर्ष नेतृत्व सलाखों के पीछे है तो वहीं अब उनके साथी भी हाथ छुड़ाने लगे हैं। सामने आया है कि, पटेल नगर से विधायक राजकुमार आनंद ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी से भी इस्तीफा देते हुए पार्टी पर भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठाए हैं। राजकुमार आनंद ने कहा कि, भ्रष्टाचार को लेकर पार्टी की जो नीति है, उससे वह सहमत नहीं है। इसके अलावा मंगलवार को मुख्यमंत्री केजरीवाल की जमानत याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि राजनीतिक पार्टियां भी मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 70 के दायरे में आती है। इससे अब कथित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जा सकता है।अदालत ने कहा कि कथित शराब घोटाले मामले में प्रिवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 70 भी लागू होती है। धारा 70 किसी कंपनी की ओर से किए गए अपराधों के लिए सजा का प्रावधान करती है। इतना ही नहीं, कोर्ट के आदेश से ये भी साफ होता है कि राजनीतिक पार्टियां धारा 70 के अंतर्गत आती हैं। माना जा रहा है कि अब ईडी इस मामले में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बना सकती है।इससे पहले पिछले हफ्ते ईडी ने हाईकोर्ट में कहा था कि आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की है, जो पीएमएलए की धारा 70 के तहत अपराध के दायरे में आता है।

हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के बाद माना जा रहा है कि बाकी राजनीतिक पार्टियों की टेंशन भी बढ़ सकती है। वो इसलिए क्योंकि कई विपक्षी नेता ईडी की रडार पर हैं और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच चल रही है। इस कारण अब ईडी को अगर लगता है तो पीएमएलए की धारा 70 के तहत किसी भी राजनीतिक पार्टी को आरोपी बना सकती है।पीएमएलए की धारा 70 कंपनियों की ओर से की जाने वाली मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के लिए लगाई जाती है। इसमें कहा गया है कि जब कोई कंपनी मनी लॉन्ड्रिंग करती है, तो हर एक व्यक्ति जो अपराध के समय उस कंपनी का प्रभारी या जिम्मेदार था, उसे भी दोषी माना जाएगा और उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, इस धारा में ये भी प्रावधान है कि किसी व्यक्ति पर मुकदमा तब नहीं चलाया जाएगा, जब वो ये साबित कर सके कि मनी लॉन्ड्रिंग उसकी जानकारी के बगैर हुई थी या उसने इसे रोकने की भरसक कोशिश की थी।इस धारा में एक अपवाद भी जोड़ा गया है। इसके मुताबिक, कंपनी एक अलग लीगल एंटीटी भी है, लिहाजा उसके कर्मचारियों या उसे चलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ स्वतंत्र रूप से भी मुकदमा चलाया जा सकता है।दरअसल, ईडी ने आम आदमी पार्टी को 'कंपनी' माना है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया था कि सबूतों से पता चलता है कि आम आदमी पार्टी ने रिश्वत के पैसों का इस्तेमाल गोवा में चुनाव प्रचार के लिए किया था।उन्होंने कहा था कि इस मामले में आम आदमी पार्टी को फायदा हुआ और उसने अपराध किया। इस मामले में आम आदमी पार्टी 'व्यक्तियों का समूह' है। और पीएमएलए की धारा 70 दायरे में सिर्फ 'रजिस्टर्ड कंपनियां' ही नहीं बल्कि 'व्यक्तियों का समूह' भी आता है। एएसजी राजू ने दलील दी थी कि हो सकता है कि आप पूरी तरह से एक कंपनी न हों, लेकिन आप 'व्यक्तियों का संघ' हैं, इसलिए आम आदमी पार्टी एक कंपनी हुई। हाईकोर्ट में मुख्यमंत्री केजरीवाल की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि इस मामले में धारा 70 का गलत तरीके से इस्तेमाल करने की कोशिश की गई है।

सिंघवी ने कहा था कि इस मामले में धारा 70 लागू नहीं हो सकती। आम आदमी पार्टी जनप्रितिनिधि कानून के तहत रजिस्टर्ड है। ऐसी स्थिति में एक अलग कानून जो राजनीतिक पार्टी को अलग तरह से मान्यता देता है, उसे पी एम एल ए में शामिल नहीं किया जा सकता।

वहीं, इस पर ईडी के वकील एसवी राजू ने कहा था कि जनप्रतिनिधि कानून की धारा 2(I) के अनुसार, एक राजनीतिक पार्टी 'व्यक्तियों का समूह' है। इसलिए आम आदमी पार्टी को पी एम एल ए की धारा 70 के तहत एक कंपनी माना जाएगा। ईडी ने दावा किया है कि दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जो आपराधिक आय कमाई गई, उसका फायदा आम आदमी पार्टी को हुआ। आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे न सिर्फ अरविंद केजरीवाल क दिमाग था, बल्कि पार्टी की सभी बड़ी गतिविधियों पर भी उनका नियंत्रण था।ईडी ने कोर्ट में बताया कि गवाहों के बयान के आधार पर पता चलता है कि केजरीवाल न सिर्फ इस पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं, बल्कि सभी नीतिगत निर्णयों में भी शामिल रहे हैं।जांच एजेंसी का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध किया है, जो धारा 70 के अंतर्गत आता है। भले ही दिल्ली शराब नीति केस कारण बना हो। भले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद का हाई कोर्ट में गिरफ्तारी को चैलेंज करना उलटा पड़ा हो। भले ही आम आदमी पार्टी पी एम एल ए की धारा 70 के तहत जांच के दायरे में आने वाली पहली पार्टी हो - लेकिन ये मामला देश के सभी राजनीतिक दलों के लिए जोर जोर से खतरे की घंटी बजा रहा है, खासतौर से क्षेत्रीय दलों के लिए।करीब छह महीने पहले सुप्रीम कोर्ट में पहली बार ये मामला उठा था। अक्टूबर, 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय से सवाल किया था कि दिल्ली शराब नीति केस में अगर आम आदमी पार्टी को फायदा हुआ है, तो उसे आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? और उसके बाद से ही प्रवर्तन निदेशालय इसके कानूनी पहलुओं पर विचार करने लगा था। जब अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चैलेंज किया तो सुनवाई के दौरान केस को मजबूत करने के लिए ईडी ने दावा किया कि शराब घोटाले से आम आदमी पार्टी को फायदा हुआ है। इस तरह आम आदमी पार्टी ने अपराध किया है - और दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी की ये बात मान भी ली।ऐसा होते ही अब आम आदमी पार्टी को भी दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी बनाने का रास्ता साफ हो गया है। हाई कोर्ट के फैसले से ये साफ हो गया है कि दिल्ली शराब घोटाला केस में पूरी आम आदमी पार्टी ही जांच के दायरे में आ सकती है - दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने फैसले में माना है कि राजनीतिक दल होते हुए भी आम आदमी पार्टी एक कंपनी जैसी ही है।अब बात जब हाई कोर्ट से 'निकली है तो दूर तलक जाएगी' - मतलब, अगर कोई भी राजनीतिक दल ऐसे कथित घोटाले या भ्रष्टाचार की जांच के दायरे में आ सकता है। जाहिर है, उसके जिम्मेदार पदाधिकारी भी जांच के दायरे होंगे - और क्षेत्रीय दलों के लिए तो और भी मुश्किल खड़ी हो सकती है।

अगर तकनीकी परिभाषा के चक्कर में न पड़ें तो कंपनियां कारोबार के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन राजनीतिक दलों का मकसद अलग होता है। एनजीओ जिन्हें गैर-सरकारी संगठन भी कहते हैं, उनका मकसद तो सेवा ही है, राजनीतिक दलों के नेता भी अपना पेशा समाजसेवा ही बताते रहे हैं - लेकिन अब तो लगता है, राजनीतिक दलों को भी कंपनी की तरह ही देखा जाने लगेगा। मानो वे 'प्रॉफिट मेकिंग' के लिए बनाए गए हों।दिल्ली शराब नीति केस में हाई कोर्ट के ताजा फैसले को ध्यान से देखें तो कुछ बातें साफ हो जाती हैं - और सबसे खास बात है कि राजनीतिक दल और प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में बहुत फर्क नहीं रह गया है। दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को आम आदमी पार्टी से आगे बढ़ कर देखें तो सभी राजनीतिक दलों के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। अब तो ऐसा लगता है कि कंपनियां भले ही इलेक्टोरल बॉन्ड लेने के योग्य न हों, लेकिन आगे चल कर राजनीतिक दलों के लिए भी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी तय की जा सकती है। मतलब, ये भी है कि अभी तक इलेक्टोरल बॉन्ड पर जो बवाल हो रहा है, आगे चल कर उसका भी हिसाब किताब देना पड़ सकता है - और अगर उसमें पाया गया कि वो किसी पार्टी को रिश्वत के रूप में मिला है, तो इस बात की भी जांच हो सकती है कि कहीं चुनावों में उसका दुरुपयोग तो नहीं हुआ है - जैसे आम आदमी पार्टी के केस में गोवा चुनाव में मनी ट्रेल की बात की जा रही है।अगर लालू यादव को चारा घोटाले में मिली सजा को मिसाल के तौर पर लें, तो सजा वो अकेले भुगत रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल पर कोई असर नहीं हुआ है। सजा होने के बाद भी वो आरजेडी के अध्यक्ष बने रहे हैं - और भ्रष्टाचार को लेकर न तो आरजेडी पर कोई असर पड़ा है, न ही तेजस्वी यादव या परिवार के बाकी नेताओं पर - लेकिन क्या आगे भी ऐसा ही होगा?अब तो लगता है, आरजेडी की तरह कांग्रेस जैसी पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं जो पहले से ही एजीएल से जुडे. मामलों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही है।

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

-ललित गर्ग-

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है।

देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है।

भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं - ह्लजा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराईह्व। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें।

राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें। जबकि विपक्षी दलों की सारी की सारी कवायद में एक अनर्थ सच्चाई के ही दर्शन हुए क्योंकि जैसे केवल चेहरे बदलने से दामन के दाग नहीं धुल जाते, वैसे ही कुछ युवा चेहरों को सामने खड़ा करने से क्रांतिकारी सोच पैदा नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार के मुद्दे को व्यक्तिगत आरोपों की झड़ी लगाकर पृष्ठभूमि में डालने की कोशिश की जा रही है।

कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं।

अमेरिका में हैदराबादी छात्र की हत्या?

ऋषभदेव शर्मा

तीन सप्ताह तक लापता रहने के बाद ओहियो के क्लीवलैंड में मृत पाए गए हैदराबाद के छात्र मोहम्मद अब्दुल अरफात की दुखद खबर से न केवल भारतीय समुदाय बल्कि दुनिया भर में सदमे की लहर है। बताया गया हसि कि अरफात के पिता से बेटे की फिरौती के लिए 1,200 डॉलर की माँग की गई थी। फिरौती न मिलने पर अपहताओं ने हत्या कर दी। यह दुखद घटना संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्तियों के खिलाफ अपराधों की चिंताजनक प्रवृत्ति का पता देती है। सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे को तुरंत और व्यापक रूप से हल करना जरूरी है।

गौरतलब है कि केवल 2024 के आरंभिक 4 महीनों में अब तक अमेरिका में 11 भारतीय मारे जा चुके हैं। इनमें से ज्यादातर छात्र ही थे। क्या अमेरिकी प्रशासन को अमेरिका गए भारतीय छात्रों और उनके परिवारों के डर का तनिक भी अहसास है? सयाने बता रहे हैं कि 2022-2023 में भारत से 2.6 लाख से अधिक छात्रों ने अमेरिका का रुख किया। शायद अब उनकी समझ में आ रहा हो कि जिस जगह को वे स्वर्ग समझ रहे थे, वह तो अपराधों का गढ़ निकला! दरअसल, हैदराबाद के छात्र की मौत का मामला अप्रवासियों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की परेशानियों का सूचक है। ऐसी घटनाएँ अमेरिका में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए सुरक्षा उपायों पर गंभीर सवाल उठाती हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ नस्लीय भेदभाव और घृणा अपराधों की घटनाएँ बढ़ रही हैं। इसके लिए इस धारणा को बल देने वाली सियासी बयानबाजी भी कम जिम्मेदार नहीं कि भारतीय लोग अमेरिकियों की नौकरियाँ हथिया रहे हैं! शायद यह एक बड़ी वजह है कि हाल के वर्षों में अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्तियों के खिलाफ हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव की घटनाएँ विस्फोट की तरह बढ़ी हैं। यह कोई दबी-छिपी बात नहीं कि नस्लीय रूप से प्रेरित हमलों से लेकर पूजा स्थलों को निशाना बनाकर की गई बर्बरता की कार्रवाइयों तक, अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को विभिन्न प्रकार की आक्रामकता और शत्रुता का सामना करना पड़ा है। ये घटनाएँ न केवल लोगों की शारीरिक सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, बल्कि उनके अपनाई गई देश में अपनेपन और सुरक्षा की भावना को भी कमजोर करती हैं।

यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि भारतीय मूल के व्यक्तियों के खिलाफ अपराध कतई छिटपुट घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि विदेशियों से नफरत, नस्लवाद और असहिष्णुता सहित व्यापक सामाजिक मुद्दों का प्रतीक हैं। इन अंतर्निहित कारणों को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है, जिसमें कानून प्रवर्तन एजेंसियों, नीति निमार्ताओं, सामुदायिक नेताओं और वकालत समूहों के बीच सहयोग शामिल है।

क्या दुनिया भर में लोकतांत्रिक मूल्यों का ढिंढोरा पीटने वाले अमेरिका से यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि भारतीय मूल के लोगों को लक्षित करने वाले घृणा अपराधों की जाँच और अभियोजन के मामले में वह सुस्त क्यों है? क्या पूर्वाग्रह से प्रेरित अपराधों की प्रभावी ढंग से पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए उसके कानून प्रवर्तन कर्मी पर्याप्त और प्रशिक्षित नहीं हैं? क्या उसे ऐसे कानून और नीतियाँ नहीं बनानी चाहिए जो स्पष्ट रूप से घृणा अपराधों की निंदा करें और दंडित करें? शायद अब समय आ गया है कि अमेरिका विविध समुदायों के बीच एकजुटता और सहयोग को बढ़ावा देना सीखे, ताकि एक अधिक समावेशी और ऐसा सहिष्णु समाज बनाने में मदद मिल सके जहाँ हर कोई सम्मानित महसूस करता हो।

अंततः यह भी कि भारतीयों को कब समझ आएगा कि शंगरी-ला (काल्पनिक स्वर्ग) कहीं नहीं है - अमेरिका में भी नहीं! 000

आदर्श आचार संहिता का पालन करें सभी राजनीतिक दल : डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों व राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा व्यय अनुवीक्षण के सम्बन्ध में जो दिशा निर्देश दिए गए उसका अच्छी तरह से अध्ययन करके पालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी के लिए निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपए होगी। यह सीमा नामांकन तिथि एवं मतगणना की तिथि दोनों तिथियां

आदर्श आचार संहित की समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी।

को सम्मिलित करते हुए प्रत्याशी एवं उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा की जाएगी। निर्वाचन बैंक के प्रयोजनार्थ अभ्यर्थी चाहे तो स्वयं के नाम से या अपने निर्वाचन एजेंट के साथ संयुक्त रूप से बैंक खाता खोल सकता है। बैंक खाता अभ्यर्थी के परिवार के सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति जो कि अभ्यर्थी का निर्वाचन एजेंट नहीं है के साथ संयुक्त नाम से नहीं खोला जाएगा। यह खाता कोऑपरेटिव बैंक या डाकघर सहित किसी भी बैंक में खोले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी द्वारा सभी निर्वाचन सम्बन्धी आदान-प्रदान प्राप्ति एवं भुगतान इसी खाते से ही करने होंगे। अभ्यर्थी एकाउंट पेई चेक के माध्यम से समस्त व्यय करेगा। साथ ही अभ्यर्थी द्वारा किसी की भी मद के लिए किसी व्यक्ति, हस्ती को राशि देय है तथा संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान यह राशि 10 हजार रुपए से अधिक नहीं हैं तो निर्वाचन प्रयोजनार्थ खोले गए बैंक खाते से इस राशि का आहरण कर यह व्यय नगद रूप में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों के प्रचार के दौरान दश वाहनों से अधिक नहीं चलेंगे। पोस्टर बैनर पंम्पलेट आदि में मुद्रक प्रकाशक का नाम अवश्य छपा रहना चाहिए। प्रत्याशियों के आपराधिक इतिहास को भी समाचार पत्रों में तीन बार प्रकाशित कराया जाए। उन्होंने कहा कि रैली, सभाओं, नुक्कड नाटक आदि का भी परमिशन अवश्य लिया जाए। निर्वाचन के दौरान प्रत्येक प्रत्याशी को रजिस्टर भी बनाना होगा, उसमें आय व्यय का पूरा लेखा-जोखा रखना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि जो परमीशन के लिए सुविधा पोर्टल लागू किया गया है, उसी में ऑनलाइन आवेदन करें ताकि आपको समय से परमीशन दी जा सके।वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने वाहनों पर रक्षा दल (काफिला, बाइक रैलियां), पंपलेट, पोस्टर, प्रचार सामग्री का उपयोग, प्रिंट मीडिया, अखबार, सोशल मीडिया का इस्तेमाल, स्टार प्रचारकों पर व्यय आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक तुलसीराम, सहायक कोषाधिकारी अवधेश प्रताप सिंह, कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल, बसपा जिलाध्यक्ष शिवबाबू वर्मा आदि मौजूद रहे।

डीएम ने ली प्रवर्तन एजेसिंयों के साथ नोडल अधिकारियों की बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों का सार संग्रह के सम्बन्ध में समस्त प्रवर्तन एजेंसियों के साथ नोडल अधिकारियों की बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त एफएसटी, एसएसटी टीम के प्रभारियों तथा नोडल एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न प्रकार की वस्तुओं, धनराशि आदि के बारे में जो कार्यवाही के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं, उसका पालन करते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा की जांच के दौरान पकड़ी गई वस्तुओं धनराशि आदि में जो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप तथा ई एसएमएस लागू किया गया है, उसमें डाउनलोड करके कार्यवाही की जाए। उन्होंने आबकारी, जीआरपी, परिवहन, पुलिस, वन, वाणिज्य कर, एयरपोर्ट, डाकघर, सीजीएसटी, आयकर आदि विभागों के अधिकारियों से कहा कि आप लोगों द्वारा जो सीजर की कार्यवाही की जा रही है, उसको एप में डाउनलोड अवश्य करें ताकि वह रिपोर्ट में शामिल किया जा सके। वरिष्ठ कोषाधिकारी से कहा कि अब तक जो कार्यवाहियां विभिन्न विभागों द्वारा की गई है, उन सभी सम्बन्धित विभागों से रिपोर्ट लेकर प्रस्तुत करें।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक, राजापुर प्रमोद कुमार झा, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, राजापुर निष्ठा उपाध्याय, मऊ जयकरन सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह, सहायक कोषाधिकारी अवधेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध स्थितियों में फांसी लगाकर विवाहिता ने दी जान

अखंड भारत संदेश

राजापुर, चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत छीबों की एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में बंद कमरे के अंदर फाँसी लगा लेने के कारण मौत हो गयी हैं भाई के द्वारा हत्या करने का आरोप लगाया गया हैं जिसे प्रभारी निरीक्षक द्वारा घटना की जानकारी लेते हुए शव का पंचनामा कर शव विच्छेदन हेतु कर्बी भेज दिया है।

बताते चलें कि गया प्रसाद निवासी भभौर थाना पहाडी ने अपनी पुत्री काजल का विवाह 2017 में छीबो निवासी दुर्गा प्रसाद के साथ किया था गुरुवार को मध्यरात्रि को घरेलू कलह से उबकर फांसी के फंदे पर झूल गई है मृतिका काजल उम्र 26 वर्ष के भाई सोनू प्रसाद ने आरोप लगाते हुए बताया है कि मेरी बहन काजल की शादी लगभग 7 वर्ष पहले हुई थी शादी के समय मेरे पिता के द्वारा यथाशक्ति दान दहेज

पोस्टमार्टम हाउस में खड़े परिजन।

दिया गया था और पुत्री के जीवकोपार्जन के लिए दो बीघा जमीन रजिस्ट्री किया था इस दो बीघा जमीन को लेकर पति , देवर ,जेठ तथा पति के द्वारा आए दिन मारपीट करते हुए जमीन का रजिस्ट्री करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था लेकिन मेरी बहन मृतिका काजल उस जमीन को नही देना चाहतीं थी जिसे लेकर 11 तारीख को मध्य रात्रि में पति दुर्गा प्रसाद जेठ भोंड़ी देवर हीरालाल मिलकर जान लेवा मारपीट किया था जिससे सिर पर काफी गंभीर चोंटें आ जाने के कारण मेरी बहन की मौत हो गयी और कानून से बचने के लिए बड़े नाटकीय ढंग से फाँसी पर लटका कर आत्महत्या का रूप दिया गया हैं। उन्होंने बताया कि हत्या की तहरीर थाना राजापुर में दे दी गयी हैं। उधर प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह का कहना हैं कि मृतिका के भाई सोनू प्रसाद द्वारा तीन लोगों के विरुद्ध हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गयी हैं और पोस्टमार्डम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी ।

क्रिटिकल एवं वल्नरेबिल बूथों की व्यवस्थाएं रखें दुरूस्त : डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द तथा पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को क्रिटिकल बूथ एवं वल्नरेबिल बूथों की व्यवस्थाओं से सम्बन्धित बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस अधिकारियों से सभी मतदान केन्द्रों का दोबारा निरीक्षण अवश्य करवालें। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों पर प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, रैंप, पेयजल, फर्नीचर, बाउंड्री वॉल आदि सभी व्यवस्थाएं

अधिकारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी।

होना चाहिए, उस क्षेत्र के हल्का लेखपालों को भी इस कार्य में लगाया जाए। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल ऑफीसरों को भी निर्देश दें कि जो 85 प्लस के ऊपर गांव में मतदाता है, उसमें जो मतदान केन्द्र पर मतदान करने आना चाहते हैं, उनको बूथ पर ही मतदान करवाया जाए, जो मतदान केन्द्रों पर आने-जाने में असमर्थ है, उनके प्रपत्र भरवाकर तत्काल उपलब्ध कराया जाए ताकि उनका मतदान कराए जाने की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा अपर पुलिस अधीक्षक से कहा कि जो क्रिटिकल व बल्नरेविल बूथ है, उसकी सूची यह बनाई जाए कि किस विधानसभा क्षेत्र, थाना व तहसील में है विवरण सहित उपलब्ध कराए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों व पुलिस क्षेत्राधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र का भ्रमण लगातार करते रहे, जिन मतदान केन्द्रों पर कोई कमियां हैं, उनको तत्काल दूर कराया जाए। साथ ही गांव पर अराजक तत्वों पर नजर रखें और उन पर कार्यवाही भी कराई जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन - 2024 को निष्पक्ष, निर्भीक व शांतिपूर्ण संपन्न कराना सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र के अंतर्गत गांवों का भ्रमण करके जो निर्वाचन को प्रभावित कर सकता है, उनको चिन्हित कर कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि निर्वाचन को शांतिपूर्ण संपन्न कराया जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी अंबेडकर जयंती एवं रामनवमी को लेकर भी जो सभा, जुलूस आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे, उसके सम्बन्ध में भी सभी मजिस्ट्रेट व पुलिस आधिकारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, प्रभागीय वनाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक, राजापुर प्रमोद कुमार झा, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, राजापुर निष्ठा उपाध्याय, मऊ जयकरन सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला आदि मौजूद रहे।

रिजर्व टाइगर क्षेत्र में लगी आग से लाखों करोड़ो की राष्ट्रीय वन संपदा जलकर खाख

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर, चित्रकूट। जंगलों में हर वर्षों की तरह आग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। अभी तक में हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र की राष्ट्रीय वन संपदा जल कर खाख हो चुकी है। शुक्रवार को नदवनिया क्षेत्र की प्लान टेशन में लगी भीषण आग को वन विभाग ग्रामीणों के साथ बुझाने पहुँचे, लेकिन आग इतनी बिकराल रूप ले चुकी थी कि वन कर्मियों के होश उड़ गए। इस दौरान वन दरोगा रामपाल ने इसकी सूचना टाइगर रिजर्व सेकेंड के वन क्षेत्राधिकारी बीपी सिंह पटेल को दी। वन क्षेत्राधिकारी ने आनन-फानन फायर सर्विस स्टेशन को सूचना दी और खुद मौके पर पहुँच कर वन कर्मियों व फायर कर्मियों के साथ जंगल में लगी आग को बुझाने में जुट गए, लेकिन आग का अत्यधिक क्षेत्र में फैलाव हो जाने के चलते काबू नही हो पा रही है। हर वर्ष गर्मियों के महीनों में मानिकपुर रिजर्व टाइगर क्षेत्र में आग लग जाती है। जिसके चलते पेड़, पौधे, जीव जंतु, वनस्पतियां व अनगिनत जड़ी बूटियां जलकर खाख हो जाती है। शुक्रवार को नदवनिया बीट की दो प्लान टेशनों में भीषण आग से लाखों करोड़ों की वन सम्पदायें जल कर खाख हो गयी है। हलाकि वन विभाग पूरी मुस्तैदी के साथ वनों की सुरक्षा को लेकर जंगलों में डेरा जमाए हुए है।

साप्ताहिक परेड की एसपी ने ली सलामी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कर्मचारियों का टर्न आउट जांच किया। साथ ही परेड ग्राउण्ड में उपस्थित सभी टोलियों की ड्रिल देखी एवं आवश्यक सुधार के लिए प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन को निर्देशित किया। इसके बाद एसपी ने परेड प्रशिक्षणाधीन उपनिरीक्षकों के प्रशिक्षण डायरी देखी। साथ ही पुलिस के कार्यों के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से जानकारी दी। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर, लाइन्स राज कमल, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, पीआरओ प्रवीण सिंह आदि मौजूद रहे।

2 के खिलाफ मिनी गुण्डा एक्ट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक सरधुवा आशुतोष त्रिपाठी द्वारा जनता में भय आतंक फैलाकर गुण्डा-गर्दी करने वाले रवि कुमार उर्फ भोमा निवासी औदहा, राजेन्द्र प्रसाद निवासी हस्ता के विरुद्ध धारा मिनी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की गयी।

टनटना पहाड़ी ने भूवैज्ञानिकों का आकर्षित किया ध्यान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड अपनी विशिष्ट भौगर्भिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए आश्चर्य और कौतुहल का केंद्र रहा है। इसी का जीवंत उदाहरण है बांदा जिले के नरैनी गाँव में स्थित बैलेंसिंग रॉक जो प्रहार करने पर मंदिर के घंटे की तरह टनटन की आवाज करती है। स्थानीय निवासी विमल साहू नें बताया कि स्थानीय लोग इसे टनटना पहाड़ी कहते हैं। इस असाधारण पहाड़ी के एक पत्थर ने हाल ही में अपनी अनूठी भूवैज्ञानिक विशेषताओं के लिए ध्यान आकर्षित किया है। इस सन्दर्भ में विशेषज्ञ एवं भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक डॉ. सतीश त्रिपाठी नें बताया ये ये रिंगिंग चट्टानें हैं, जिन्हें सोनोरस चट्टानों या लिथोफोनिक चट्टानों के रूप में भी जाना जाता है, यह विशिष्ट

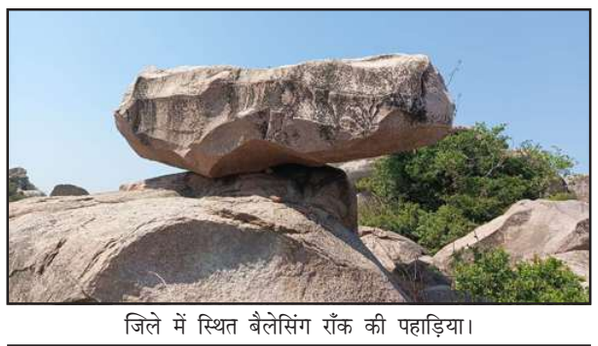

जिले में स्थित बैलेसिंग राँक की पहाड़िया।

भूवैज्ञानिक संरचनाएं हैं जो आघात करने पर घंटियों की तरह गूंजती हैं। ऐसी संरचनाएं दुनिया भर के विभिन्न स्थानों में पाई गई हैं, जिनमें इंग्लैंड में स्किडॉव के म्यूजिकल स्टोन्स, पेंसिल्वेनिया में रिंगिंग रॉक्स पार्क, न्यू साउथ वेल्स में किंद्रा की रिंगिंग रॉक्स और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बेल रॉक रेंज शामिल हैं। भारत में ऐसी चट्टानें केवल तेलंगाना राज्य के जनगांव और सिद्दीपेट में ही पाई जाती है। इस चट्टान की बनावट और इसकी विशिष्ट स्थिति के कारण यह आघात करनें पर टनटन की आवाज करती हैं। इस संबंध में डी.एस.एन कॉलेज उन्नाव के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जियो हेरिटेज विशेषज्ञ अनिल साहू ने बताया कि यह पत्थर उनके घनत्व, आंतरिक तनाव और संरचना जैसे कारकों के संयोजन के कारण प्रतिध्वनित होता है। साथ ही यह स्थल प्रस्तावित चित्रकूट जियो पार्क का उत्तर प्रदेश में पड़ने वाला महत्वपूर्ण भू-पर्यटन स्थल है यदि इस पहाड़ी का भू-पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जाए तो न केवल क्षेत्र वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर होगा बल्कि क्षेत्र की स्थानीय संस्कृति को वैश्विक आयाम मिलेगा। अतर्रा पीजी कॉलेज, अतर्रा के भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं पर्यावरण विद डॉ. अश्वनी अवस्थी नें बताया कि चित्रकूट बांदा के बीच स्थित इस स्थल का यदि विकास होता है तो न केवल देश विदेश के पर्यटकों के आने से क्षेत्र का विकास होगा बल्कि बुदेलखंड और बांदा जिले की सांस्कृतिक धरोहर जैसे वसंत के दौरान होरी या फाग, बरसात के मौसम में मल्हार और कजरी बाँदा जिले के शजर पत्थर को वैश्विक पहचान मिलेगी।

जानकीकुंड में रघुवीर मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयाजित कथा का आयोजन।

शिव पार्वती विवाह की कथा सुन भाव विभोर हुए कथा श्रोता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। परमहंस संत रणछोड़ दास महाराज द्वारा जानकीकुंड में स्थापित श्री रघुवीर मंदिर ट्रस्ट बड़ी गुफा में अरविंद भाई मफत लाल की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चल रही नौ दिवसीय कथा में मिथिला धाम से पधारे किशोरी शरण मधुकर महाराज (मुढिया बाबा सरकार) राम कथा का गान कर रहे है।

किशोरी शरण महाराज ने कथा के तीसरे दिन सर्वप्रथम श्री सदगुरू सेवा संस्थान के अध्यक्ष विषद भाई मफत लाल की धर्म पत्नी रूपल बहन ने रामकथा पोथी और पूजन अर्चन किया। इसके बाद उन्होंने शिव पार्वती विवाह की कथा सुनाते हुए बताया कि सती का द्वातीय जन्म राजा हिमांचल के यहां पार्वती के रूप में हुआ और जैसे ही यह खबर नारद को मिलती है। नारद तुरंत राजा हिमांचल के यहां पहुंच जाते है। नारद जैसे ही राजा हिमांचल के यहां पहुंचते है, तुरंत राज हिमाचल आसान बैठाते है और उनके चरण पखारते है। इसके बाद नारद हिमाचल की पुत्री पार्वती के हाथों की रेखा देखते है और राजा हिमांचल से कहते है कि यह आपकी बेटी सुंदर सुशील है। नारद ने उनका नामकरण किया और उमा, अंबिका, पार्वती नाम रखते है। उन्होंने बताया कि इनमे शिव के गुण दिखते है। इनको तप करना पडेगा तभी शिव इन्हे पति रूप में प्राप्त होगे। यह सुनते ही राजा हिमांचल और माता सुनैना को तो दुख होता है पर पार्वती खुश होती है।

पार्वती बोलती है कि आज से ही शिव को पति रूप में पाने के लिए तप करूंगी। उन्होंने बताया कि एक बार भगवान शिव ने सप्त ऋषियों को पार्वती की परीक्षा लेने के लिए भेजा तो ऋषियों ने पार्वती से कहा कि हम आपको इनसे अच्छा वर खोज देगे तो पार्वती ने कहा कि उनके गुरु महराज शिव को पति रूप में पाने के लिए बता गए है, तो अब आप लोग कहा चक्कर में पडे है अब तो उन्हें पति रूप में भगवान शिव को ही वरण करूंगी। वही मेरे पति होंगे। इतना सुनते ही लगन पत्रिका सजाई गई है और राजा हिमाचल के यहा भेजी गई और विवाह की तैयारी शुरू हो गई। शिव पार्वती का विवाह संपन्न हुआ और इन्ही से दो पुत्र कार्तिकेय और गणेश पैदा हुए। शिव पार्वती विवाह की कथा सुन सभी श्रोता भाव विभोर हो गए।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मऊ अजीत कुमार पाण्डेय ने बताया कि उप निरीक्षक विनय विक्रम सिंह तथा आरक्षी भरत लाल द्वारा राकेश कुमार निवासी लौरी लोखरी को 30 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना मऊ में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में राजापुर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक कन्हैयाबक्श सिंह तथा आरक्षी प्रकाश मिश्रा, उज्जवल पाण्डेय द्वारा मोटरसाइकिल सवार शिवलाल निवासी कंधवनिया को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना राजापुर में शस्त्र अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। साथ ही बरामद मोटरसाइकिल को एमवीएक्ट के तहत सीज किया गया।

निर्वाचन आयोग के स्पष्ट आदेश के बाद भी शिक्षा मित्रों को द्वितीय की जगह बना दिया तृतीय मतदान अधिकारी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष इंद्रसेन यादव ने बताया कि शिक्षक शिक्षक होता है चाहे संविदा कर्मी हो या स्थाई। जिसको ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग के स्पष्ट आदेश दिया था कि शिक्षामित्रों को द्वितीय मतदान अधिकारी बनाया जाए, परंतु आदेश को दरकिनार करते हुए चित्रकूट में शिक्षामित्रों को तृतीय मतदान अधिकारी बना दिया गया, जो कि शिक्षामित्रों के सम्मान के खिलाफ है। जिसको संगठन कभी बर्दाश्त नही करेगा। वरिष्ठ शिक्षामित्र नेता सर्वेश यादव ने कहा कि शिक्षामित्रों को आदेश के बाद भी तृतीय मतदान अधिकारी बनाना निंदनीय है। शिक्षा मित्रों के सम्मान के साथ किसी तरह का कोई समझौता नही किया जायेगा।

ईद पर छाया पाकिस्तान में मातम, भीषण सड़क हादसे में दरगाह जा रहे 17 यात्रियों की मौत

पाकिस्तान
पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। 70 से ज्यादा लोगों को दरगाह लेकर जा रहा एक ट्रक खाई में गिर गया। जिससे 17 यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। वहीं 35 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनका कराची के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान के हब जिले में ये हादसा हुआ है। बुधवार रात 11 बजे इस हादसे की सूचना बलूचिस्तान की पुलिस को मिली थी । जिसके बाद पुलिस राहत और बचाव दल के साथ मौके पर पहुंची और लगभग 2 घंटे के ऑपरेशन के बाद लोगों को बचाया गया औ मृतकों के शव निकाले गए।

रात में दरगाह जा रहे थे सभी लोग
रिपोर्ट के मुताबिक ये यात्री बलूचिस्तान के खुजदार जिले में सुदूर मुस्लिम सूफी दरगाह शाह नूरानी पर श्रद्धांजलि देने जा रहे थे तभी ये हादसा हुआ। घटना में घायल हुए ट्रक के चालक करीम बख्श को भी हिरासत में ले लिया गया है।

रात के अंधेरे में नहीं दिखा मोड़
सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर (रऊढड) सकरो वाजिद अली ने बताया कि रात के अंधेरे में ड्राइवर की लापरवाही रही कि उसे आगे आ रहे मोड़ का अंदाजा नहीं रहा और मोड़ पर मुड़ने के बजाय बस सीधी चली और खाई में गिर गई।
पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये ट्रक हब जिले के मकली के कासिम जोखियो गांव से 70 से ज्यादा लोगों को दरगाह ले जाने के लिए निकला था। मरने वाले 17 लोगों में से 15 की शिनाख्त हो गई है। बाकी घायलों को कराची के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारे गए लोगों को उनके पैतृक गांव मकली में दफनाया जाएगा।

पुलिस और परिवार के बयानों में बडा.फर्क
इधर पीड़ितों और मृतकों के परिवारों का कहना है कि ये ट्रक दोपहर 2 बजे मकली से निकला था जबकि हादसा रात 8 बजे हुआ। उन्हें हादसे की जानकारी रात 9 बजे मिली। वहीं इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है।
सभी लोग मकली के एक ही गांव कासिम गोथ के हैं और हर साल दरगाह आते हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि सभी तीर्थयात्री सिंध के थट्टा जिले के थे।
पुलिस और पीड़ितों के परिवारों की दी गई जानकारी में आ रहे बड़े अंतर को लेकर भी परिवारों में रोष है। उनका कहना है कि पुलिस मरने वाले लोगों की संख्या कम और हादसे के समय को अपने मनमुताबिक बता रही है जो दिखाता है कि वो इस अपनी जिम्मेदारी से हट रही है।

कश्मीर के सपनों में खोई पाकिस्तान की शाहबाज सरकार, उधर लाखों भिखारियों ने कब्जा लिया पूरा शहर

पाकिस्तान
कंगाल पाकिस्तान में भिखारियों की कमी नहीं है ये लाइन अब बिल्कुल सटीक बैठती है क्योंकि अब वाकई में पाकिस्तान में ऐसा हो रहा है। दरअसल पाकिस्तान की सड़कों पर इन दिनों आम लोगों से ज्यादा भिखारी नजर आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईद के 2 दिन पहले से इन अचानक लाखों भिखारियों ने पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची को अपना अड्डा बना लिया है। ऐसा लगता है कि कराची इन भिखारियों के कब्जे में आ गया है। हैरानी की बात ये है कि ईद पर इन भिखारियों की संख्या बढ़ने से पाकिस्तान में अपराध भी अचानक बढ़ गए हैं लेकिन कराची में इतनी बड़ी संख्या में भिखारी कहां से आए ये हर कोई जानना चाह रहा है।

4 लाख भिखारियों के वजह से पाकिस्तान में बढ़े अपराध!
पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक रमजान महीने के दौरान देश के छोटे शहरों और गांवों से ये भिखारी कराची में आने लगे हैं, जिससे सड़क पर अपराध बढ़ रहे हैं। कराची के अतिरिक्त महानिरीक्षक इमरान याकूब मिन्हास ने कहा कि ईद के त्यौहार को भुनाने के लिए 3 से 4 लाख पेशेवर भिखारी कराची में आते हैं। ये इन भिखारियों के लिए एक प्रमुख जगह शहर बन गया है।
अकत्र ने कहा कि ह्ययहां पर सिंध, बलूचिस्तान से सबसे ज्यादा भिखारी आते हैं। पाकिस्तान में अपराधों की संख्या में आई

अचानक बढ़ोतरी को देखते हुए अधिकारियों को यहां पर और ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए और पुलिस दल की गश्ती बढ़ाने का आदेश दिया है क्योंकि हम पारंपरिक तरीके से इन अपराधों और इनकी जड़ का पता नहीं लगा सकते।"

कराची में बढ़ा क्राइम रेट
रिपोर्ट के मुताबिक अकेले रमजान में ही कराची में कम से कम 19 नागरिक सड़क अपराध की घटनाओं का शिकार हुए जबकि जनवरी 2024 से डकैतियों में जान गंवाने वालों की संख्या 55 से ज्यादा हो गई।
पाकिस्तान में बढ़ते अपराधों को लेकर खुद सिंध हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया था और एक अल्टीमेटम जारी कर प्रांतीय अधिकारियों को राज्य में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए एक महीने का समय दिया गया था।

भिखारियों से निपटने के लिए पूरे पाकिस्तान की पुलिस लगी
भिखारियों से उपजे बढ़ते क्राइम रेट को लेकर महानिरीक्षक पुलिस सिंध, गुलाम नबी मेमन ने इस बात की पुष्टि की कि सड़क अपराधों ने प्रांत के दूसरे हिस्सों में डाकुओं के खतरे के साथ-साथ कराची की शांति के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश की है। जिससे पूरे पाकिस्तान की पुलिस एकजुट होकर निपट रही है।

कश्मीर के सपनों में ही खोई है शाहबाज सरकार
पाकिस्तान में भिखारियों की बढ़ी हुई संख्या से पूरी दुनिया में इस मुल्क की खिल्ली उडाई जा रही है कि एक तरफ पाकिस्तान अपना देश नहीं संभाल पा रहा है लेकिन दूसरी तरफ कश्मीर और कश्मीर के लोगों को टारगेट कर भारत को घेरने में लगा रहता है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सऊदी अरब में जाकर कश्मीर का मुद्दा उठाया था और फिर बीते बुधवार को ईद की बधाई में भी उन्होंने कश्मीर का जिक्र कर उसे भारत का सताया हुआ पीड़ित बता दिया था।

नेपाल में विरोधी दलों के विरोध के बीच संसद सत्र समाप्त करने का फैसला, राष्ट्रपति को सिफारिश

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार की आधी रात से संसद का चालू सत्र समाप्त करने का फैसला लिया है। इसके लिए सरकार ने राष्ट्रपति के पास सिफारिश भी कर दी है।
सरकार की प्रवक्ता और सूचना एवं संचार मंत्री रेखा शर्मा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल ह्यप्रचंडह्ल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संसद सत्र समाप्त करने का फैसला लिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की तरफ से संसद सत्र चलाने को लेकर कोई सहयोग नहीं मिलने के कारण संसद सत्र समाप्त करने का निर्णय किया गया।
हालांकि, नेपाल में इस महीने के आखिर में होने वाले निवेश सम्मेलन के मद्देनजर संसद से 15 महत्वपूर्ण कानून बदलने के लिए सरकार की तरफ से कई प्रयास किये गए लेकिन एक भी कानून बनाए बिना ही सत्र का अवसान कर दिया गया।।

पाकिस्तान में ईद के दिन सिंधु नदी में 15 डूबे; 11 को बचाया गया

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को सिंधु नदी में एक नाव पलटने से 15 लोग डूब गयेबचाव अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा नौशेरा जिले के कुंड पार्क क्षेत्र में हुआ, जहां ईद का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 11 लोगों को बचा लिया है। लापता चार लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि नौशेरा, स्वाबी और मर्दन की बचाव टीम तलाशी अभियान में हिस्सा ले रही हैं।

डॉक्टर ने 200 से ज्यादा महिलाओं का किया अप्राकृतिक तरीके से रेप, बीमारी कोई भी, पहले करता प्राइवेट पार्ट्स की जांच

कहते हैं डॉक्टर धरती पर भगवान का रूप होते हैं लेकिन क्या हो जब ये डॉक्टर हैवान बन जाए। बिल्कुल यही हुआ है अमेरिका के बोस्टन में, यहां पर एक डॉक्टर पर 200 महिलाओं का रेप और पुरुषों के साथ अप्राकृतिक तरीके से रेप करने के आरोप लगे हैं। डॉक़्टर के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है जिस पर 200 से ज्यादा महिलाओं और कई पुरुषों ने साइन किए हैं। बोस्टन के स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी डॉक्टर का नाम डेरिक टॉड है। इन्होंने पिछले साल जुलाई में ब्रिघम और महिला अस्पताल में रुमेटोलॉजिस्ट के तौर पर काम किया था। जिन्होंने डॉक्टर पर आरोप लगाए हैं वो सारे ही इसके मरीज रह चुके हैं। इनका कहना है कि जब वो डॉक्टर के पास किसी बीमारी का इलाज कराने आते थे तो वो उन्हें बेहद गलत तरीके से छूता था।

बीमारी कोई भी हो, पहले करता था प्राइवेट पार्ट्स की जांच
शिकायतकर्ता बनीं इन महिलाओं और पुरुषों ने कहा कि जब वो चेकअप के लिए डॉक्टर के पास जाते थे तो वो सबसे पहले उनके प्राइवेट पार्ट्स की जांच करता था। जिससे वो बहुत ज्यादा असहज हो जाते थे और मना करने पर कहता था कि ये जांच का हिस्सा है। 200 से ज्यादा महिलाओं ने कहा है कि डॉक्टर की हरकतें उनके साथ कम नहीं हुई वो बढ़ती ही गईं और उसकी हिम्मत फिर रेप करने की भी हो गई। समाज के डर से उन्होंने भी ये बात किसी को नहीं बताई।

अस्पताल के स्टाफ को भी बनाया गया आरोपी
डॉक्टर के खिलाफ ये मुकदमा मैसाचुसेट्स के सफोल्क सुपीरियर कोर्ट में दायर किया गया है। डॉक्टर टॉड के अलावा इस मामले में ब्रिघम और महिला फॉल्कनर अस्पताल और चार्ल्स रिवर मेडिकल एसोसिएट्स के स्टाफ समेत कई लोगों को भी आरोपी बनाया गया है क्योंकि उन्होंने ना तो इस मामले को जानने की कोशिश की और ना ही रोकने की।

यूक्रेन में लंबी जद्दोजहद के बाद सेना में अनिवार्य भर्ती संबंधी विवादास्पद कानून को मिली मंजूरी

कीव। यूक्रेन की संसद ने सेना में नये रंगरूट की अनिवार्य भर्ती के तौर-तरीकों को तय करने संबंधी एक विवादास्पद कानून को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी इसके प्रारंभिक मसौदे को कानून बनने में कई महीनों का विलंब हुआ और इसके प्रावधानों को नरम बनाने के लिए कई संशोधन सौंपे गये ।
सांसदों ने भी इस कानून को लेकर लंबे समय तक उदासीन रवैया अपनाया हुआ था क्योंकि इसके अलोकप्रिय रहने का अनुमान था। राष्ट्रपति वोलोदोमिर जेलेंस्की ने दिसंबर में कहा था कि यह कानून यूक्रेन की सेना के अनुरोध के कारण लाया गया है जो 500,000 से अधिक सैनिकों को जुटाना चाहती है। यह कानून पूर्व सेना कमांडर वालेरी जालुझनी के अनुरोध पर तैयार किया गया है जिन्होंने कहा था कि सेना के विभिन्न रैंकों को मजबूत बनाने के लिए 5,00,000 नई भर्तियों की जरूरत है।
यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले के बाद देश में अग्रिम मोर्चे पर सैनिकों की कमी हो गई है। नए कानून के मसौदे पर यूक्रेन वासियों ने अधिक दिलचस्पी नहीं दिखाई। यह कानून ऐसे समय में पारित हुआ है जब यूक्रेन की ऊर्जा अवसंरचना हालिया सप्ताह में रूस के हमलों में तबाह हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि रात भर होने वाले रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने कई क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और बिजली संयंत्रों को फिर से निशाना बनाया और कीव क्षेत्र में सबसे बड़े बिजली उत्पादन केंद्र ट्रिपिलस्का ताप बिजली घर को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।
इस कानून के बाद यूक्रेन के प्राधिकारियों के अधिकारों में वृद्धि होगी जिससे वर्तमान व्यवस्था में कई बदलाव होंगे। निवर्तमान सेना प्रमुख अलेक्जेंडर सिरस्की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ऑडिट करने के बाद आंकड़ों की समीक्षा की और कहा कि आवश्यक संख्या उतनी अधिक नहीं है क्योंकि सैनिकों की क्रमबद्ध तरीके से व्यवस्था की जा सकती है। कहा जाता है कि अनिवार्य सैन्य भर्ती के मुद्दे पर जालुझनी को पद से बर्खास्त किया गया था। कानून पर संसद में मतदान होने से पहले रक्षा मामलों की समिति ने मंगलवार को मसौदे से एक अहम प्रावधान को हटा दिया था। यह प्रावधान, युद्ध मोर्चे पर तैनाती के 36 माह बाद सैनिकों को पुनः सेवा में भेजना सुनिश्चित करता था। इस प्रावधान को हटाए जाने से कई सांसदों को आश्चर्य हुआ क्योंकि यह यूक्रेनी नेतृत्व का वादा था।

ट्रूडो ने कनाडा के चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर सुनवाई के दौरान निज्जर का मुद्दा उठाया

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि सरकार कनाडा के सभी लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए खड़ी है। इसके साथ ही ट्रूडो ने पिछले साल खालिस्तानी सिख अलगाववादी की हत्या के मुद्दे को भी उठाया। ट्रूडो ने कनाडा की चुनावी प्रक्रिया में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में की जा रही जांच में बुधवार को एक समिति के समक्ष गवाही दी। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा की पिछली सरकार की भारत सरकार के साथ निकटता थी।
स्थानीय मीडिया द्वारा साझा किए जा रहे ह्यलाइव-स्ट्रीमिंगह्ल वीडियो के अनुसार ट्रूडो ने 2019 और 2021 के चुनावों के दौरान विदेशी हस्तक्षेप को लेकर खुफिया जानकारी मिलने के बाद सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए यह टिप्पणी की। पिछले साल 18 जून को सरे शहर में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ट्रूडो द्वारा निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की ह्यह्यसंभावितह्लह्ल संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ह्यह्यबेतुकाह्लह्ल और ह्यह्यप्रेरितह्लह्ल बताते हुए पुरजोर तरीके से खारिज कर दिया। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। अपनी गवाही के दौरान ट्रूडो ने राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार की भूमिका, खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई कार्रवाई के बारे में भी बताया। उन्होंने चीन मूल के कनाडाई नागरिकों और चीन के प्रभाव के बारे में भी उल्लेख कियावर्ष 2019 के चुनाव के तीन महीने बाद मिली एक खुफिया रिपोर्ट के बारे में भी ट्रूडो ने बात की।
उन्होंने कहा, हम कनाडा के लोगों के लिए हमेशा खड़े हुए हैं, जिसमें निज्जर की हत्या का बेहद गंभीर मामला भी शामिल है। मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया था। यह कनाडा के लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता हैट्रूडो ने विदेशी हस्तक्षेप के बारे में सरकार द्वारा कुछ नहीं किए जाने संबंधी आरोपों को तवज्जो नहीं दी। प्रधानमंत्री ने जांच समिति को विदेशी हस्तक्षेप से निपटने के लिए उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी।

खूनी दस्तानों' से बचे थे दिग्गज पूर्व फुटबॉलर ओजे सिम्पसन, पूर्व पत्नी और दोस्त की हत्या का था आरोप

पूर्व अमेरिकी फुटबॉलर ओजे सिम्पसन का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। पूरे अमरीका में उनकी चर्चा हो रही है और ये चर्चा अमरीकी इतिहास के सबसे फेमस ट्रायल की वजह से भी है क्योंकि इस ट्रायल में सिम्पसन बरी कर दिए गए थे। उन पर अपनी पूर्व पत्नी और दोस्त की हत्या का आरोप था। सिम्पसन के ट्रायल को ट्रायल ऑफ द सेंचुरी कहा जाता है।
पूर्व अमेरिकी फुटबॉलर और अभिनेता ओजे सिम्पसन का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। बीते गुरुवार को उनके परिवार ने ये जानकारी दी। बताया गया है कि वो प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। ओजे सिम्पसन के बारे में कहा जाता है कि उनका नाम फुटबॉल की दुनिया में जितना रोशन हुआ उतना ही बदनाम मैदन के बाहर की दुनिया में हुआ। दरअसल ओजे सिम्पसन पर अमरीकी इतिहास के सबसे फेमस ट्रायल चला था जिसे अमरीका में ट्रायल ऑफ द सेंचुरी कहते हैं।

पूर्व पत्नी और दोस्त की हत्या का लगा था आरोप
ये बात 90 के दशक की है जब सिम्पसन (डख रैंस्त्र२ङ्ग्ल्ल) पर अपनी पत्नी और अपने दोस्त की हत्या का आरोप लगा था। 1994 में सिम्पसन की पूर्व पत्नी निकोल ब्राउन और दोस्त रोनाल्ड गोल्डमैन की लॉस एंजिल्स स्थित घर के बाहर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हत्या के संदिग्ध के तौर पर ओजे सिम्पसन को गिरफ्तार कर लिया गया था। ये केस उस वक्त का बेहद हाईप्रोफाइल केस था। हैरानी की बात ये है कि जिस दिन उन्हें ट्रायल के लिए कोर्ट के सामने पेश होना था उस दिन वो अपने दोस्त के साथ व्हाइट फोर्ड ब्रोंके भाग गए थे लेकिन पुलिस ने उनका कार से पीछा किया। आपके बता दें कि इस पूरी घटना को उन दिनों टेलिविजन पर लाइव दिखाया गया था। इस घटनाक्रम से ये केस पूरे अमरीका के घर-घर में चर्चित हो गया था।

रंगभेद को बनाया गया जरिया
1995 में अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को ये तर्क दिया कि ओजे सिम्पसन ने नफरत में आकर अपनी पूर्व पत्नी और दोस्त की हत्या की है। वहीं सिम्पसन के बचाव पक्ष ने अपना मूलभूत तर्क रखा था कि सिम्पसन के साथ रंगभेद किया जा रहा है। ब्लैक नस्ल का होने के चलते उन्हें जबरन इस केस का आरोपी बनाया जा रहा है। अभियोजन पक्ष ने हत्या की जगह पर मिले हुए सामान भी कोर्ट में पेश किए जिसमें वो खूनी दस्ताना भी शामिल था। जी हां वही खूनी दस्ताना जिसने इस ट्रायल के रुख को ही बदल कर रख दिया।

सिम्पसन के हाथों में फिट ही नहीं हुए खूनी दस्ताने
दरअसल अभियोजन पक्ष ने वारदात की जगह से खून से सने दस्ताने, बाल और फाइबर को कोर्ट में पेश किया था। उनका कहना था कि ये सब वारदात जगह से बरामद किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये दस्ताने सिम्पसन के हैं लेकिन इस तथ्य को कोर्ट के सामने पेश करना था तो अभियोजन पक्ष ने इन दस्तानों को सिम्पसन से पहनने के लिए कहा। फिर हुआ वो जिसका अंदाजा किसी को नहीं था। दरअसल जो दस्ताने सिम्पसन को पहनने के लिए दिया गए वो उनके हाथों में बने ही नहीं। बस फिर क्या था तुरंत सिम्पसन के वकील जॉनी कोचरन ने एक फेमस वाक्य को जन्म दिया कि इफ इट डज नॉट फिट, यू मस्ट एक्टिव यानी "अगर ये फिट नहीं बैठता है, तो आपको बरी कर देना चाहिए।"

आखिर बरी कर दिए गए सिम्पसन
इस घटना ने जूरी सदस्यों को ये प्रश्न करने पर मजबूर कर दिया कि क्या दस्ताने वास्तव में उनके थे? इस घटना पर सिम्पसन को बरी कर दिया गया था और फैसला सुनाया गया था कि वो इस मामले में 100 प्रतिशत निर्दोष हैं। 15 जून 1995 को घटी ये घटना मुकदमे के निर्णायक पहलुओं में से एक थी। हालांकि पर्यवेक्षकों ने बाद में ये कहा कि फिल्मों में अभिनय करने वाले सिम्पसन ने कोर्ट में भी अच्छा नाटक किया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

रूसी सेना में शामिल हुए 300 नेपाली युवाओं से नहीं हो पा रहा संपर्क, परिजन चिंतित

काठमांडू। रूसी सेना में शामिल हुए 300 युवाओं से संपर्क नहीं हो पा रहा है। नेपाल से रूसी सेना में काम करने गए युवाओं के परवार वालों के लिए काम करने वाली संस्था ने सरकार को बताया कि अब तक उनके संपर्क में आए 1200 परिवार वालों में से 300 परिवार वाले ऐसे हैं, जिनसे पिछले 6 महीने से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।
रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में हजारों की संख्या में नेपाली नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए हैं। इनमें से कुछ युवाओं के युद्ध के दौरान मारे जाने और कुछ को यूक्रेनी सेना में बंधक बनाए जाने की खबर है। नेपाल सरकार ने भी आधिकारिक रूप से रूसी सेना में नेपाली युवाओं के शामिल होने और उनके मारे जाने की औपचारिक पुष्टि की है लेकिन अब तक नेपाल सरकार एक भी नेपाली युवा का शव लाने में सफल नहीं हो पाई है।
इसी बीच, रूसी सेना में शामिल हुए युवाओं के परिवार वालों के लिए काम करने वाली संस्था जीवन रक्षा अभियान की कृतु भंडारी ने बताया कि पिछले 6 महीने में 1200 ऐसे नेपाली परिवार उनके संपर्क में आए हैं जिनका कोई अपना रूसी सेना में शामिल है। भंडारी ने बताया कि इनमें से करीब 300 परिवार वालों ने बताया कि रूसी सेना में कार्यरत उनके रिश्तेदार ने पिछले 6 महीने से कोई संपर्क नहीं किया है।
भंडारी के मुताबिक सरकार ने अब तक सिर्फ 17 नेपाली युवाओं के मौत की पुष्टि की है, जबकि यह संख्या 100 से अधिक है। सरकार सिर्फ उसी के मौत की पुष्टि कर रही है, जिसका शव मिल रहा है या जिन शवों की पहचान हो रही है।

ईरान को हमले का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार, बाइडेन प्रशासन ने शीर्ष सैन्य कमांडर को इजराइल भेजा

वाशिंगटन। ईरान के हमले का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार है। ईरानी हमले की बढ़ती आशंका के बीच कल अचानक एक अमेरिकी शीर्ष सैन्य कमांडर को बाइडेन प्रशासन ने इजराइल भेजा। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इजराइल भेजे गए इस सैन्य कमांडर ने वहां के शीर्ष अधिकारियों के साथ ईरान को माकूल जवाब देने के लिए साझा रणनीति पर चर्चा की।
द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान बार-बार सीरिया में

एक अप्रैल को हुए हमले के लिए इजराइल को दंडित करने की कसम खा रहा है। इस हमले में कई वरिष्ठ ईरानी कमांडर मारे गए थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वह ईरान के किसी भी तरह के हमले को जवाब देने के लिए तैयार है। इजराइल ने भी अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ईरान के हमले की स्थिति में बाइडेन प्रशासन मजबूती के साथ इजराइल के साथ है। इस बीच ईरान को शांत करने के लिए अमेरिका ने चीन और मिस्त्र जैसे देशों से भी बात की है। इजराइली रक्षामंत्री योव गैलेंट ने अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन से फोन पर बातचीत की और कहा कि अगर ईरान उनके देश पर हमला करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।